RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष-13, अंक-04, हिन्दी (मासिक), अप्रैल 2026, पृष्ठ 16, मूल्य- 17:50

13
महोत्सव में 20 फीट के शिवलिंग के दर्शन, पूजन

नागपुर, महाराष्ट्र

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया एकता और विश्वास से महाराष्ट्र का स्वर्णिम युग अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ

विश्वास से ही भगवान को पा सकते हैं : राष्ट्रपति

शिव आमंत्रण, नागपुर, महाराष्ट्र। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एकता और विश्वास से महाराष्ट्र का स्वर्णिम युग अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज संस्थान के नागपुर जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल आचार्य देवव्रत, ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, युवा प्रभाग की चेयरपर्सन राजयोगिनी बीके चंद्रिका दीदी सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे। नागपुर की संचालिका राजयोगिनी रजनी दीदी, सहसंचालिका राजयोगिनी मनीषा दीदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एक सशक्त और समृद्ध महाराष्ट्र का निर्माण करना होगा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महाराष्ट्र पूरे देश की प्रगति को शक्ति देता रहा है। उद्योग, कृषि, उद्यमिता, नवाचार, उच्च शिक्षा और अमूल्य सांस्कृतिक परंपराएं, इन सबके बल पर महाराष्ट्र आत्मविश्वास से आगे बढ़ते हुए भारत की विकास यात्रा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। हमारा लक्ष्य ऐसे समग्र विकास की ओर बढ़ना है, जिसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचे। इतिहास से प्रेरणा लेकर तथा आधुनिक तकनीक, कौशल विकास और नवाचार की शक्ति का उपयोग करके एक सशक्त और समृद्ध महाराष्ट्र तथा भारत के निर्माण के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करना होगा। इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है इस कार्यक्रम से महाराष्ट्र के निवासियों को आंतरिक शक्ति, सकारात्मक नेतृत्व और मूल्य-आधारित विकास की प्रेरणा मिलेगी। मैं महाराष्ट्र की जनता को उनके परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्र प्रेम के लिए नमन करती हूं। मुझे आशा है कि आज का यह कार्यक्रम स्वर्णिम, सशक्त और समृद्ध महाराष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरणा देगा।

विश्वास के साथ सहभागिता रहे तो देश आगे बढ़ता है

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि प्रत्येक स्थिति में विश्वास अर्थात भरोसा कायम रहना चाहिए। हम सुनते आए हैं कि बाघ और बकरी साथ पानी पीते थे। विश्वास रखें उस दौर का पुनरागमन होगा। प्रत्येक नागरिक समानता को बढ़ावा दें। भेदभाव से दूर रहें और विश्वास के साथ सहभागिता रहे तो देश आगे बढ़ता है। कहते हैं विश्वास में ही भगवान है। विश्वास से ही भगवान को पा सकते हैं। भगवान भी सकारात्मकता चाहते हैं। एक-दूसरे पर विश्वास करें। महाराष्ट्र के संत, समाज सुधारकों के योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश के विकास को शक्ति देता है।

राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र की महान विभूतियों को किया याद

राष्ट्रपति ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे देश की सबसे प्रेरक विभूतियों में से एक हैं। उन्होंने न्याय और आजादी के पक्ष में संघर्ष किया। उनका वह संघर्ष स्वराज के लिए था। छत्रपति शिवाजी महाराज ने लोक कल्याणकारी, न्याय-प्रधान और सुरक्षा-केन्द्रित शासन का बीज बोया। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा, समानता और महिला सशक्तिकरण सशक्तिकरण का जो अभियान शुरू किया, वह केवल महाराष्ट्र का नहीं, पूरे भारत के एकता और विश्वास का संदेश मिलता है जो पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

एकता के बिना शांति नहीं हो सकती है : राज्यपाल

महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि भारत ने भूखंड नहीं, बल्कि आत्मा जीतने का काम किया है। जिस संगठन में एकता और विश्वास है उसकी प्रगति नहीं रोकी जा सकती है। जिसका निजी जीवन गंदगी से भरा है, उसका सार्वजनिक जीवन भी अच्छा नहीं कहला सकता है। भारत की मूल संस्कृति का आधार वेद हैं। वेद का उपदेश है एकता के बिना शांति नहीं हो सकती है। राजस्व मंत्री एवं नागपुर के पालक मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा सामाजिक कल्याण के लिए सराहनीय सेवाएं की जा रही हैं। बहनें समर्पण भाव से सेवा में जुटी हैं। इस मौके पर पूर्व राज्यसभा सदस्य अजय संचेती, आरएसएस और महानगर संघचालक राजेश लोया, महापौर नीता ठाकरे, उपमहापौर नीता ठाकरे, पूर्व मंत्री रमेश चंग, जयपकाम गुप्ता, विक्की कुकरेजा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

दादी रतनमोहिनी की पहली पुण्य तिथि पर विशेष (8 अप्रैल 2026): दादी की स्मृति में ज्ञान रत्न स्तंभ बनकर तैयार

दादी रतनमोहिनी की याद दिलाएगा 'ज्ञान रत्न स्तंभ'

शिव आमंत्रण, आबूरोड। सृष्टि रंगमंच पर समय-समय पर कुछ ऐसी दिव्य, महान विभूतियां आती हैं जिनके आदर्श कर्म और अलौकिक आभा से संपन्न दिव्य-तपस्वी-योगी जीवन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो जाता है। मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर लाखों लोगों को सद्मार्ग, शांति, अध्यात्म और मूल्यों का पाठ पढ़ाकर श्रेष्ठ चरित्र निर्माण करने वालीं, ज्ञान रत्नों से भरपूर और दिव्यता की मूरत दादी रतनमोहिनी की पहली पुण्य तिथि 8 अप्रैल 2026 को मनाई जाएगी। इस मौके पर दादी की याद में बने ज्ञान रत्न स्तंभ पर वरिष्ठ भाई-बहनें पुष्पांजली अर्पित कर इसे योग-साधना के लिए समर्पित करेंगे। बता दें कि ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका 101 वर्षीय दादी मां रतनमोहिनी का 8 अप्रैल को देवलोकगमन हो गया था।

सिंध हैदराबाद में हुआ था जन्म

25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद के एक साधारण परिवार में दैवी स्वरूपा बेटी ने जन्म लिया। माता-पिता ने नाम रखा लक्ष्मी। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कल यही बेटी अध्यात्म और नारी शक्ति का जगमग सितारा बनकर सारे जग को रोशन करेगी। बचपन से अध्यात्म के प्रति लगन और परमात्मा को पाने की चाह में मात्र 13 वर्ष की उम्र में लक्ष्मी ने विश्व शांति और नारी सशक्तिकरण की मुहिम में खुद को झोंक दिया।

26 साल की उम्र में पहली बार माउंट आबू आईं थीं दादी रतनमोहिनी 26 साल की युवावस्था में पहली बार ब्रह्मा बाबा के साथ माउंट आबू आईं थीं। विश्व सेवा और युवाओं को सद्मार्ग पर लाने की ऐसी धुन लगी कि सदा के लिए यहीं की होकर रह गईं। आपने अपना पूरा जीवन युवा सशक्तिकरण और युगा जागृति में लगा दिया। युवाओं से विशेष प्रेम, स्नेह के चलते आपको सभी युवाओं की दादी कहकर पुकारते थे।

34 साल की उम्र में जापान में दिया संबोधन, विद्वान रह गए अचंभित

दादी जब मात्र 34 साल की थीं तो जापान में आयोजित विश्व शांति सम्मेलन में दादी प्रकाशमणि के साथ ब्रह्माकुमारीज का प्रतिनिधित्व किया था। जब आपने सम्मेलन में अपना उद्बोधन देना शुरू किया और भारतीय संस्कृति की महिमा बताई तो चारों ओर सन्नाटा छा गया। इतनी कम उम्र में आध्यात्मिक गहराई की बातें सुनकर वहां मौजूद विद्वान अचंभित रह गए। इस दौरान एक साल तक एशिया देशों में अध्यात्म और योग का परचम लहराया।

हर काम में बंटाया हाथ

1950 का वह दौर जब ब्रह्माकुमारीज़ का स्थानांतरण माउंट आबू हुआ था। उस वक्त दादी की आयु मात्र 26 साल थी। संस्थान में मात्र 350 लोग थे। तब सभी मिल-जुलकर भोजन आदि की सेवा करते थे। ऐसे में दादी रतनमोहिनी ने भी साफ-सफाई से लेकर भोजन की सेवा में हाथ बंटाया। यहां तक कि दादी 80 साल की उम्र तक अपने सारे निजी कार्य स्वयं करती रहीं।

अध्ययन और अध्यात्म में रही रुचि

नवनियुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मोहिनी दीदी ने दादी के साथ के अनुभव बताते हुए कहा कि दादी में बचपन से ही भक्तिभाव के संस्कार थे। वह छोटी उम्र में ही खेलने-कूदने की जगह ध्यान में अपना वक्त बिताती थीं। पढ़ाई में होशियार होने के साथ धीर-गंभीर स्वभाव रहा। क्लास में समय पर जाना और होमवर्क समय से करने के कारण अपने शिक्षकों की सबसे प्रिय विद्यार्थियों में शामिल रहीं।

दादी ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना से लेकर वटवृक्ष बनने की रहीं साक्षी

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ब्रह्माकुमारीज की वर्ष 1937 में स्थापना से लेकर 88 वर्ष की यात्रा की साक्षी रही हैं। उनके जीवन काल में ही संस्थान बहुत ही छोटे स्तर से विश्व गगन तक पहुंचा। जब वह ब्रह्मा बाबा के साथ 26 साल की उम्र में माउंट आबू आईं थीं तब मात्र 350 भाई-बहनें ही साथ थे, लेकिन आज 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें सेवाएं दे रही हैं। वहीं 22 लाख विद्यार्थी नियमित रूप से ईश्वरीय पढ़ाई पढ़ रहे हैं।

बाबा से पहली बार मिलने पर हुई थी दिव्य अनुभूति-

एक साक्षात्कार में दादी ने बताया था कि वर्ष 1937 की बात है। तब लक्ष्मी (दादी रतनमोहिनी के बचपन का नाम) 12 वर्ष की थीं। स्कूल की छुट्टियों के दौरान मां के साथ भागवत गीता के सत्संग में गईं। वहां मैं पहली पंक्ति में बैठ गईं। बाबा (ब्रह्मा बाबा) आए और वह भी बैठ गए। ओम् ध्वनि के साथ सत्संग की शुरुआत हुई। जैसे ही मैंने ब्रह्मा बाबा के मुख से ओम् ध्वनि सुनी तो गहरी आंतरिक शांति का अनुभव किया। ऐसा लगा कि मैं इस दुनिया में नहीं हूं। मेरा शरीर नहीं है। मुझे यह भी याद नहीं रहा कि मैं कहां बैठी हूं। हाथ-पैर का एहसास नहीं रहा कि इस शरीर में हैं भी कि नहीं। मैं सुनहरे लाल प्रकाश की दुनिया में चली गई। जहां तक मुझे याद है मैं अपनी चेतना को आसपास के वातावरण से अलग कर चुकी थी। उस वक्त मैंने अनुभव किया कि बाबा के माध्यम से कोई ऊंच, दिव्य और अलौकिक शक्ति बोल रही है।

युवा प्रभाग की अध्यक्ष और संयुक्त मुख्य प्रशासिका भी रहीं

दादी रतनमोहिनी पिछले 40 साल से संस्थान के युवा प्रभाग के अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही थीं। साथ ही आप ब्रह्माकुमारी बहनों के लिए चलाए जाने वाले टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम, पर्सनल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की हैड के रूप में भी जिम्मेदारी संभालती रही हैं। 25 अगस्त 2007 में दादी प्रकाशमणि के देहावसान के बाद आप संयुक्त मुख्य प्रशासिका बनी थीं। 27 मार्च 2020 को दादी जानकी के देहावसान के बाद आप अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बनीं और 11 मार्च 2021 को दादी हृदयमोहिनी के देहावसान के बाद 15 मार्च 2021 को आपको मुख्य प्रशासिका घोषित किया गया। तब से आपके कुशल संचालन में देश-विदेश में सेवाएं जारी थीं।

सदा ईश्वरीय पढ़ाई में रहती थी मगन

दादी रतनमोहिनी में बचपन से ही भक्तिभाव के संस्कार रहे हैं। छोटी सी उम्र होने के बाद भी आप अन्य बच्चों की तरह खेलने-कूदने के स्थान पर ईश्वर की आराधना में अपना ज्यादा वक्त गुजारती थीं। स्वभाव धीर-गंभीर था। पढ़ाई में भी होशियार होने के साथ प्रतिभा संपन्न रहीं हैं। दादी बचपन में बहुत शर्मीले और संकोची स्वभाव की थीं। क्लास में हमेशा समय पर जाना और पूरा होमवर्क करने के कारण आप अपने समय में शिक्षकों की सबसे प्रिय विद्यार्थी में से एक थीं। दादी के विनम्र स्वभाव, सरल स्वभाव और मेधा को देखकर शिक्षक कहते थे कि यह बालिका तो जैसी देवी है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कल यही बालिका आगे चलकर दुनिया के नारी शक्ति के सबसे बड़े और वैश्विक संगठन की मुखिया का दायित्व निभाएगी।

30 हजार किमी की विश्व की सबसे लंबी पद यात्रा का वर्ल्ड रिकार्ड

ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग द्वारा अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के नेतृत्व में वर्ष 2006 में देशव्यापी विशाल स्वर्णिम भारत युवा पद यात्रा निकाली गई। इस पद यात्रा को विश्व की सबसे लंबी पद यात्रा का भी गौरव प्राप्त है। इसे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड में भी शामिल किया गया। ब्रह्माकुमारीज के देशभर में स्थित रिट्रीट सेंटर, सेवाकेंद्रों से एक साथ अलग-अलग यात्राओं की शुरुआत की गई। प्रत्येक यात्रा ने 375 किमी का सफर तय किया।

2006 को मुंबई से शुभारंभ-

20 अगस्त 2006 को मुंबई से यात्रा का शुभारंभ किया गया और 29 अक्टूबर 2006 को तीनसुकिया असम में समापन किया गया। स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा द्वारा पूरे देश में 30 हजार किमी का सफर तय किया। इसमें पांच लाख ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भाग लिया। सवा करोड़ लोगों को शांति, प्रेम, एकता, सौहार्द, विश्व बंधुत्व, अध्यात्म, व्यसनमुक्ति और राजयोग ध्यान का संदेश दिया गया।

ब्रह्मा बाबा के साथ 32 साल का लंबा सफर तय किया

दादीजी ने वर्ष 1937 से लेकर ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने (वर्ष 1969) तक साए की तरह साथ रहीं। इन 32 साल में आप बाबा के हर पल साथ रहीं। बाबा का कहना और दादी का करना यह विशेषता शुरू से ही थी। बाबा जो शिक्षाएं भाई-बहनों को देते तो दादी अक्षरशः उन्हें अपने जीवन में शिरोधार्य करतीं। यही कारण है कि सैकड़ों भाई-बहन होने के बाद भी आप विशेष स्नेही और भरोसेमंद रहीं। बाबा ने जिस आस से आप को जो जिम्मेदारी सौंपी आपने उससे कई गुना बेहतर करके उसे साबित कर दिखाया। बाबा के तपस्वी, वैरागी और त्यागी जीवन की छाप आप पर शुरू से ही देखने को मिली। सैकड़ों भाई-बहनों के बाद भी आप बाबा की विशेष स्नेह की पात्र थीं। बाबा के जीवन का एक-एक कर्म एक दिव्य अलौकिक फरिश्ते की तरह था उन्हीं पद चिंहों पर चलते हुए दादीजी ने भी अपना जीवन ऊंच, श्रेष्ठ और महान बनाया।

प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) से था विशेष प्रेम

ब्रह्माकुमारीज की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) से राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को विशेष प्रेम था। मम्मा की विशेष स्नेही और सहयोगी होने के कारण आपको महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाते थे। मम्मा की तरह दादी में गंभीरता का गुण था। शुरुआत में 14 वर्ष तक एक साथ 350 से अधिक भाई-बहनों के होने बाद भी कभी भी आपस में मनमुटाव नहीं हुआ। दादी का स्वभाव मिलनसार होने से हमेशा सभी के स्नेह का पात्र रहीं।

52 वीं राष्ट्रीय माइंड-बॉडी-मेडिसिन कॉन्फ्रेंस आयोजित, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने किया शुभारंभ

धरती पर भगवान का रूप हैं डॉक्टर्स: चिराग पासवान

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम, हरियाणा।

डॉक्टर्स धरती पर भगवान का रूप हैं। डॉक्टर्स पर लोग आँख बंद करके विश्वास करते हैं। उक्त विचार भारत सरकार के केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने व्यक्त किए। वह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा आयोजित 52वें राष्ट्रीय माइंड-बॉडी-मेडिसिन सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। ओम शांति रिट्रीट सेंटर के दादी प्रकाशमणी सभागार में आयोजित सम्मेलन में केयरिंग, कंपैशन एंड कम्युनिकेशन विषय पर उन्होंने कहा कि जब आत्मा का परमात्मा से संबंध स्थापित हो जाता है तो शब्दों का महत्व कम हो जाता है। परमात्मा एक ऐसा बिंदु है जिस तक पहुंचने का सभी प्रयास कर रहे हैं। यहाँ आने पर उन्हें जो अनुभव हुआ, शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि भगवान ने डॉक्टर्स को विशेष शक्तियां दी हैं। कोविड के समय में डॉक्टर्स की भूमिका बहुत विशेष रही है। डॉक्टर्स ने स्वयं का ध्यान न रखकर भी दूसरों की सेवा में अपना सारा समय दिया। जिस भावना के साथ डॉक्टर्स कार्य करते हैं अगर उसका कुछ प्रतिशत समाज में आ जाए तो जीवन सरल हो जाए। जीवन का लक्ष्य किसी पद पर पहुंचना नहीं बल्कि जीवन का असली लक्ष्य दूसरों के जीवन में खुशियाँ और सकारात्मकता लाना होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि समाज में महिलाओं का अहम योगदान है। नारी सृष्टि की जननी है। ये कहना बेमानी है कि महिलाओं को सशक्त करने की जरूरत है। क्योंकि महिलाओं को भगवान ने सशक्त करके भेजा है। जीवन में संयम जरूरी है। मनुष्य आशावादी दृष्टिकोण से ही आगे बढ़ सकता है। उनके जीवन में भी बहुत सी परिस्थितियां आई। लेकिन हर समय उन्होंने संयम रखा। जीवन में बहुत से भटकाव आते हैं लेकिन सकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को सही मार्ग पर ले जाती है। जो व्यक्ति मन से शक्तिशाली है वो कई बीमारियों से मुक्त रहता है। सकारात्मक अभिव्यक्ति से हम बहुत कुछ कर सकते हैं। डॉ. योगिता स्वरूप, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए आध्यात्मिक रूप से सशक्त वातावरण जरूरी है। सबसे पहले मन को हील करने की जरूरत है। मन की हीलिंग ही शरीर को भी हील करती है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में इस प्रकार का वातावरण मन को हील करता है।

जीबी पंत हॉस्पिटल के हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोहित गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। संस्थान के दिल्ली, लॉरेंस रोड सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी लक्ष्मी ने राजयोग का गहन अनुभव कराया। मंच संचालन जीबी पंत हॉस्पिटल के पैथोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रीना तोमर ने किया। कार्यक्रम में 600 से भी अधिक चिकित्सकों एवं शिक्षाविदों ने शिरकत की।

सबसे पहले स्वयं की केयर जरूरी-

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा दीदी ने कहा कि सबसे पहले स्वयं की केयर जरुरी है। केयर सिर्फ शरीर की नहीं लेकिन सबसे जरुरी मन की है। मन को पॉजिटिव रखना ही मन की केयर है। जब हम स्वयं की केयर करेंगे तो हमारे आस पास के लोग भी स्वयं को सुरक्षित अनुभव करेंगे। पॉजिटिव और पॉवरफुल वातावरण से भी व्यक्ति ठीक हो जाता है। जीवन में दिल और दिमाग का संतुलन जरुरी है। स्वयं को समय देना जरुरी है। कुछ समय शांति में रहें। एक शांत मन ही शक्तिशाली ऊर्जा का स्रोत है। खुशी सबसे बड़ी खुराक है। खुशी का प्रभाव दवाई पर भी सहज रुप से पड़ता है।

स्वास्थ्य के लिए योग का विशेष महत्व है-

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि संस्थान विश्व में एकमात्र ऐसा संस्थान है, जिसका संचालन महिलाएं करती हैं। वर्तमान समय की चुनौतियां जिस प्रकार का तनाव पैदा कर रहीं हैं, उससे डॉक्टर्स भी अछूते नहीं हैं। सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए योग का विशेष महत्व है। मेडिसिन के साथ मेडिटेशन जरुरी है। उन्होंने कहा कि संस्थान के द्वारा माउंट आबू में निर्मित ग्लोबल हॉस्पिटल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जहाँ आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संतुलन है। मेडिकल विंग के सचिव राजयोगी डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान ने देशभर के साढ़े चार करोड़ से भी अधिक लोगों को जागृत किया गया।

देश-विदेश में दिव्यता दिवस के रूप में मनाई गई पुण्य तिथि, अव्यक्त लोक में योग-साधना से अर्पित की श्रद्धांजली

दादी हृदयमोहिनी की पांचवी पुण्य तिथि पर 414 यूनिट रक्तदान

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी की पांचवीं पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में शांतिवन के डायमंड हाल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 414 यूनिट रक्तदान किया गया। उदघाटन पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव बीके करुणा भाई ने कहा कि रक्तदान महादान होता है। इससे लोगों के जिन्दगी बचती है। खून देना एक महापुण्य का कार्य कर है। अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई व ग्लोबल हास्पिटल के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. प्रताप मिडढा ने कहा कि ब्लड बैंक का प्रयास रहता है कि जरुरतमंद लोगों को समय पर खून की उपलब्धता कराई जाए। इसलिए हर किसी को रक्तदान करना चाहिए। इसके साथ ही दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए।

कार्यक्रम में मैनेजमेंट कमेटी की वरिष्ठ सदस्य बीके सुषमा दीदी ने लोगों को प्रेरणा देते हुए कहा कि यह पुण्य का कार्य है। इससे समाज में एकता और सामाजिक सद्भाव का विकास होता है। इससे खून कम नहीं होता बल्कि बढ़ता है। इसलिए सबको मिलकर रक्तदान करना चाहिए। इस दौरान ब्लड बैंक अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह, बीके प्रकाश भाई, दादी की निज सचिव रहीं बीके नीलू दीदी समेत कई लोग उपस्थित थे। रक्तदान को लेकर भाई-बहनों में खासा उत्साह देखा गया।

दादी हृदयमोहिनी की पांचवी पुण्य तिथि : श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसैलाब

दादी का जीवन लोगों के लिए प्रेरणास्रोत: राजयोगिनी मोहिनी दीदी

शिव आमंत्रण, आबूरोड।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी की 5वीं पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में विशाल श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान दादी की समाधि स्थल अव्यक्त लोक पर प्रातः ध्यान-साधना के बाद संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, राजयोगिनी जयंती दीदी, महासचिव बीके करुणा भाई, अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

डायमंड हॉल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संस्था की प्रमुख राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने कहा कि गुलजार दादी का जीवन हमेशा मानवता की सेवा में रहा। मन-वचन-कर्म और संकल्प के साथ ही वे हमेशा ही दूसरों के भलाई के लिए कार्य करती रहीं। उनके संकल्पों में आमजन के लिए करुणा का भाव था। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि दादी के अंग-संग रहने का सौभाग्य मिला। उनके हर कदम से सीखने को मिलता था। उनके चेहरे में रुहानियत और प्रेम का भाव लोगों को सहज ही अपना बना लेता था ।

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयन्ति दीदी ने कहा कि दादी बाल्यकाल से ही मानवता की सेवा का भाव रखती थी। उन्होंने अल्पायु में ही अपना जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दी। फिर उन्होंने अपना समय श्वांस संकल्प सबकुछ सफल कर दिया। महासचिव बीके करुणा भाई ने कहा कि दादी का जीवन योग की मिसाल था। उनका दिव्य व्यक्तित्व सदा लाखों लोगों के लिए मार्गदर्शन करता रहेगा।

इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने क्रम बद्ध होकर पुष्पांजलि अर्पित की। दादी के कमरे तथा उनके मेडिटेशन कक्ष में भी कुछ समय ध्यान साधना कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बीके मोहन सिंघल, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके सुदेश दीदी, बीके प्रकाश भाई, बीके राजू भाई, बीके देव भाई, जापान की बीके रजनी दीदी समेत हजारों लोग उपस्थित थे।

समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं का सशक्त होना जरूरी

शिव आमंत्रण, आलीराजपुर, मप्र।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, क्रांतिकारी शहीद छितुसिंह किराड़ शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मीना सोलंकी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। शास्त्रों में भी कहा गया है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता", अर्थात जहाँ नारी का सम्मान और आदर होता है, वहाँ देवताओं का वास होता है। समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं का सशक्त और सम्मानित होना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. लाल सिंह निंगवाल ने महिलाओं के अधिकार, समानता और उन्हें प्राप्त संवैधानिक अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ब्रह्माकुमारी माधुरी दीदी ने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ चरित्रधन, भावनाओं की शुद्धता तथा मन और विचारों में पवित्रता भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने आंतरिक शक्ति और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इंदौर से पधारे ब्रह्माकुमार नारायण भाई ने व्यक्तित्व निर्माण में सकारात्मक विचारों की शक्ति, संकल्प की शक्ति तथा आत्म-सुधार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आत्मशक्ति के विकास तथा आत्मा और परमात्मा के गहरे संबंध को भी स्पष्ट किया।

वंदे मातरम्–स्वर्णिम भारत सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र, हरियाणा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शांति धाम सेवाकेंद्र में नारी शक्ति के सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मिक जागरण के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "वंदे मातरम्–स्वर्णिम भारत" रहा। इस अवसर पर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. सुमन सेठी, डॉ. सुनीति, डॉ. भारद्वाज, डॉ. बिंदु गर्ग, डॉ दीप्ति,पार्षद रेखा शर्मा, हिंदू शिक्षा समिति की पूर्व उपाध्यक्ष राजविज, समाजसेविका एवं कवयित्री गायत्री कौशल, पूनम (नारी जागरूक रोजगार संस्था), सुमन (महिला पुलिस स्टेशन), सेंटर इंचार्ज राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरोज बहन, ब्रह्माकुमारी राधा बहन तथा ब्रह्माकुमारी मधु बहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

बीके पुष्पा बहन एवं आरती बहन ने अतिथियों को पटका पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर भारतीय संस्कृति की "अतिथि देवो भव" परंपरा का निर्वाह किया। कार्यक्रम का संचालन बीके मधु बहन ने किया। साथ ही ब्रह्माकुमारी संस्था की सेवाओं पर प्रकाश डाला। समापन पर सभी को राजयोग कराया गया।

दो दिनी योग-साधना भट्टी आयोजित

शिव आमंत्रण, वैशाली, बिहार

ब्रह्माकुमारीज़ के शांति शक्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर, भगवानपुर, वैशाली में होली के अवसर पर दो दिवसीय कुमार भट्टी का आयोजन किया गया। जिसका टॉपिक अंतिम समय की ऊँची उड़ान रखा गया। इसमें बिहार के अनेकों सेंटर से कुमार भाईयों ने आकर योग -साधना किया। साथ ही होलिका दहन कर सभी ने अपनी कमजोरी को योग अग्नि में भस्म करने की प्रतिज्ञा की। इस दौरान सबजोन निदेशिका राजयोगिनी रानी दीदी ने कुमारों को तीव्र पुरुषार्थ करने के मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि कुमार जीवन सबसे महान जीवन है। आप सभी जिम्मेवारियों से मुक्त हो, इसलिए आप जो चाहो कर सकते हो।

संगम : गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन अभियान के तहत वृद्धाश्रम में कार्यक्रम आयोजित

वर्तमान में जीएं और जीवन को खुशनुमा बनाएं: छाया दीदी

शिव आमंत्रण, सागर, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी संगमः गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन अभियान के तहत सागर सेवाकेंद्र द्वारा आनंद वृद्धाश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मौजूद सभी वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर उन्हें जीवन के सुखदाई पक्षों के बारे में बताया गया।

सागर क्षेत्र की निदेशिका बीके छाया दीदी ने कहा कि हमारे बुजुर्ग दुआओं का अथाह सागर हैं। उनके हृदय से निकली दुआएं सोने-चांदी से भी अधिक मूल्यवान होती हैं। वे छायादार वृक्षों के समान हैं, ऐसे वृक्षों को क्षति पहुंचाना स्वयं को कमजोर करना है। बुजुर्गों के साथ समय बिताना अत्यंत लाभकारी होता है। आप सभी मेडिटेशन जरूर करें। इससे मन को शांति मिलेगी और दुख-दर्द, कष्ट का एहसास नहीं होगा। जीवन में जो हुआ उन बातों को भुलाकर वर्तमान का पूरा आनंद लें और एक-दूसरे के सहयोग से जीवन को खुशनुमा बनाएं।

बीके लक्ष्मी दीदी ने कहा कि आप सभी तो समाज की धरोहर हैं। आपका जीवन अनेक अच्छे-बुरे अनुभवों की खान है। आप सभी के बीच आकर आज बहुत ही गर्व की अनुभूति हो रही है। आप सभी तो हमारी शान हैं। समाज और संस्कृति के संरक्षक हैं। इसलिए अपने आप को कभी कमजोर और अकेला महसूस नहीं करें। खुद को सदा परमात्मा की छत्रछाया में महसूस करें। बीके खुशबू दीदी ने कहा कि घर में बड़े-बुजुर्गों की छांव मिलना ही भाग्य की बात है। संयुक्त संचालक डीएस यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान समाज के लिए बहुत उपयोगी है।

व्यापारियों के लिए तीन दिनी राष्ट्रीय सम्मेलन

स्वयं की मजबूती से ही दूसरों को बना सकते हैं मजबूत : विस अध्यक्ष सतीश महाना

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में व्यापारी एवं उद्यमियों के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि समय के अनुसार जरूरतें भी बदलती हैं। लेकिन जरूरतों के साथ समन्वय जरूरी है। हम अकेले नहीं हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समाज से जुड़े हैं। हम अपने जीवन में समाज के योगदान को नकार नहीं सकते। जब हम दूसरों के योगदान को महसूस करते हैं तभी असली आनन्द की प्राप्ति होती है। धन, पद और प्रतिष्ठा थोड़े समय के लिए भौतिक सुख जरूर दे सकती है लेकिन सच्ची खुशी नहीं दे सकती। हम केवल मेहनत से आगे नहीं बढ़ सकते उसके लिए सभी का आशीर्वाद भी जरूरी है। लेने के बजाय देने में असली सुख है। सच्चा सम्मान वो है, जब समाज में छोटे से छोटा व्यक्ति आपका सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति खुशी के लिए कार्य करता है। वो खुशी हमें किस अवसर पर मिलती है ये महत्वपूर्ण है। समृद्ध होना मानव का स्वभाव है। जब हम मजबूत होंगे, तभी दूसरों को मजबूत बना सकते हैं।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि धन आवश्यक जरूर है लेकिन उससे जरूरी है जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश है। व्यापार समाज की धुरी है। बिना व्यापार के सामाजिक ताना-बाना स्थिर नहीं रह सकता। संतुष्टता रूपी धन सबसे बड़ा है। संतुष्टता मानव को श्रेष्ठ बनाती है। धन सभी कमाते हैं लेकिन दुआएं बहुत कम कमाते हैं। धन लाभ के लिए कमाएं न कि लोभ के लिए। धन के पीछे भागने के बजाय हम अपने को योग्य बनाएं। हमारा वर्तमान जितना श्रेष्ठ होगा, भविष्य उतना ही श्रेष्ठ होगा।

व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका राजयोगिनी उषा दीदी ने कहा कि बिजनेस के साथ इजीनस भी जरूरी है। धन कमाने के साथ-साथ सुख, शांति और खुशी जरूरी है। इसका एक ही माध्यम है राजयोग। धन कमाते हुए सेवा का भाव हो।

शिव आमंत्रण, बार्शी, महाराष्ट्र | अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वर्गीय सौ. शोभाताई सोपल महिला बहुउद्देशीय विकास संस्था के तत्वावधान में सम्मान कर्तृत्व का महिला पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संगीता दीदी को "सम्मान कर्तृत्व का" महिला पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

शिव आमंत्रण, लवकुश नगर, मप्र | नगर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ को मुख्य रुप से आमंत्रित किया गया। आयोजक आस्था सिंह पटेल ने अतिथियों का तिलक एवं माल्या अर्पण कर स्वागत किया। बीके सुलेखा बहन ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा। इरादा मजबूत है तो लोग क्या कहेंगे इसकी परवाह नहीं करना चाहिए।

शिव आमंत्रण, कालाढूंगी, उत्तराखंड | ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा ने भाग लिया। इस दौरान संचालिका बीके दीपा दीदी ने सभी को होली का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए जीवन को प्रभु प्रेम के रंग में रंगने का संदेश दिया।

शिव आमंत्रण, सटई/छतरपुर, मप्र | अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नगर निरीक्षक सुनीता बिदुआ, दीप्ति पाठक, अधिश्री असाटी ने भाग लिया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्राची बहन ने कहा कि प्रतिदिन कुछ नया करके लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। महिला परिवार की धुरी होती है।

यात्रा का नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर किया गया स्वागत

12 ज्योतिर्लिंगम् यात्रा में व्यसन-बुराइयां छोड़ने का दिया संदेश

शिव आमंत्रण, बीना, मप्र ।

ब्रह्माकुमारीज की ओर 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में नगर में विशाल 12 ज्योतिर्लिंगम् यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं द्वारा यात्रा का रास्तेभर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शंकरजी, पार्वती की सुंदर झांकी भी सजाई गई थी। शुभारंभ पर कथावाचक पंडित बृजमोहन शास्त्री ने कहा कि दयालु शिव की आज्ञा से सबकुछ चल रहा है। वही सबकुछ हैं। वही सद्गति दाता हैं। कथावाचक पंडित देवशंकर, कथावाचक पंडित हरिराम दुबे, पंडित नारायण दुबे, पंडित हरिराम दुबे, पंडित दुष्यंत पुरोहित, पंडित विनोद तिवारी,

पंडित राकेश पुरोहित, पंडित प्रेम नारायण, बीके किरण दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके जानकी दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा महाशिवरात्रि के पावन पर्व को हर वर्ष शिव अवतरण के रूप में बड़े धूमधाम से दो माह तक मनाया जाता।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, इंदौर, मप्र| ब्रह्माकुमारीज़ के जोनल मुख्यालय ज्ञान शिखर में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जोनल निदेशिका बीके हेमलता दीदी ने संबोधित किया। इस दौरान सभी महिलाओं का सम्मान किया गया।

शिव आमंत्रण, मुजफ्फरपुर, बिहार | डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर में आयोजित किसान मेले में शाश्वत यौगिक खेती चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन पर बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव को ईश्वरीय सौगात प्रदान करती हुई बीके पदमा बहन।

शिव आमंत्रण, गया, बिहार | ब्रह्माकुमारीज़ सिविल लाइंस थाना सेवाकेंद्र पर महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अवसर पर बीके शीला दीदी ने कहा कि नारी की महिमा अपरंपार है। नारी सबसे महान है। बीके सुमन दीदी ने राजयोग का अभ्यास कराया। अंशु अग्रवाल, सीडीपीओ अरुणा कुमारी, शिक्षिका इंद्रावती सिंह सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, केशोद (गुजरात) | ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आपणु स्वास्थ्य, आपना हाथ मा सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य रुप से बीके डॉ. सतीश गुप्ता, डॉ. राहुल गुप्ता, नगरपालिका प्रमुख मेहुलभाई गोंडलिया, डॉ. अजुडिया, डॉ. सांगाणी, डॉ. छाया, एडवोकेट डीडी देवाणी तथा बीके रुपा बहन मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, आगरा नौपुरा, उप्र | स्पेस शॉप नेटवर्क मार्केटिंग आगरा के ट्रिपल डायमंड सुधीर सिंह व ट्रिपल डायमंड दुर्गेश कुमारी को ईश्वरीय सौगात देते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शशी बहन, बीके मंजरी बहन।

संपादकीय

रामनवमीः आत्म शक्ति, मर्यादा और आध्यात्मिक जागरण का संदेश

रामनवमी। मर्यादा, सत्य, कर्तव्य और धर्म के प्रतीक श्रीराम के अवतरण का पावन स्मृति दिवस है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अयोध्या में भगवान राम का जन्म हुआ था, इसलिए यह दिन पूरे भारत में अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। रामनवमी केवल एक ऐतिहासिक या पौराणिक घटना की याद नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन में मर्यादा और आदर्शों को स्थापित करने का प्रेरणादायक पर्व है। श्रीराम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में हर संबंध और हर परिस्थिति में मर्यादा, सत्य और कर्तव्य का पालन किया। चाहे पुत्र के रूप में पिता की आज्ञा का पालन करना हो, भाई के रूप में प्रेम और त्याग का उदाहरण देना हो, या राजा के रूप में प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व निभाना हो भगवान राम का जीवन हर दृष्टि से आदर्श है। आज के समय में जब जीवन में तनाव, स्वार्थ और असंतुलन बढ़ता जा रहा है, तब रामनवमी का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि सच्ची शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि आत्मिक मूल्यों में निहित होती है। जब मनुष्य सत्य, धैर्य, करुणा और कर्तव्यनिष्ठा जैसे गुणों को अपनाता है, तभी उसका जीवन वास्तव में सफल और सुखी बनता है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाए तो राम का अर्थ केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि आत्मा की पवित्रता और दिव्यता का प्रतीक भी है। जब मनुष्य अपने भीतर की अच्छाइयों को जागृत करता है, तब उसके जीवन में भी "रामराज्य" जैसी शांति और संतुलन की स्थापना हो सकती है। यही कारण है कि भारत की संस्कृति में रामराज्य को आदर्श शासन और आदर्श जीवन का प्रतीक माना गया है।

बोध कथा/जीवन की सीख

विनम्रता और आत्मविश्वास का अद्भुत संदेश

हनुमान जी के जीवन में अनेक ऐसे प्रसंग हैं जो मनुष्य को साहस, भक्ति और विनम्रता का महान संदेश देते हैं। उन्हीं में से एक प्रसिद्ध प्रसंग उस समय का है जब भगवान राम की प्रिय पत्नी माता सीता को रावण लंका ले गया था। सीता जी की खोज के लिए वानर सेना चारों दिशाओं में भेजी गई। दक्षिण दिशा में जाने वाले दल में हनुमान जी भी थे। अनेक दिनों तक खोजने के बाद वे समुद्र के किनारे पहुँचे, परंतु सामने विशाल समुद्र था। सभी वानर सोचने लगे कि इतने बड़े समुद्र को पार करना असंभव है। कोई कहता कि वह थोड़ी दूर तक छलांग लगा सकता है, कोई कहता कि वह बीच में ही गिर जाएगा।

हनुमान जी भी वहीं शांत बैठ गए। वे अपनी शक्ति को भूल चुके थे। बचपन में किए गए शरारती कार्यों के कारण ऋषियों ने उन्हें यह वरदान दिया था कि वे अपनी शक्ति को तब तक भूल जाएँगे जब तक कोई उन्हें याद न दिलाए। तभी वानरों के वृद्ध और बुद्धिमान नेता जाम्बवान ने हनुमान जी को उनकी असली शक्ति का स्मरण कराया। उन्होंने कहा, "हे हनुमान! तुम तो अतुलित बल और पराक्रम के धनी हो। तुम्हारे लिए यह समुद्र पार करना कोई कठिन कार्य नहीं है। जाम्बवान के शब्द सुनकर हनुमान जी को अपनी शक्ति का बोध हुआ। उन्होंने भगवान राम का स्मरण किया और पूरे आत्मविश्वास के साथ एक विशाल छलांग लगाकर समुद्र पार कर लिया। अंततः वे लंका पहुँचे, सीता जी को ढूंढ निकाला और भगवान राम का संदेश उन्हें सुनाया। यह घटना हमें एक गहरी सीख देती है। अक्सर मनुष्य के भीतर अपार क्षमता और प्रतिभा होती है, लेकिन वह स्वयं को कमजोर समझकर हार मान लेता है। जब कोई उसे उसकी वास्तविक शक्ति का बोध कराता है, तब वह असंभव लगने वाले कार्य भी कर सकता है।

हनुमान जी का यह प्रसंग हमें यह भी सिखाता है कि सच्ची शक्ति के साथ विनम्रता होना आवश्यक है। हनुमान जी जितने शक्तिशाली थे, उतने ही विनम्र और भक्तिभाव से भरे हुए थे। उन्होंने अपनी हर सफलता का श्रेय भगवान राम की कृपा को दिया।

संदेश: जीवन में यदि कभी कठिनाई सामने आए, तो हमें हनुमान जी की तरह अपने भीतर की शक्ति को पहचानना चाहिए, ईश्वर का स्मरण करना चाहिए और पूरे विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जब आत्मविश्वास, विनम्रता और भक्ति एक साथ जुड़ जाते हैं, तब सफलता अवश्य मिलती है।

मेरी कलम से

मुकेश खटीक (49),
सागर, मप्र

राजयोग से 31 साल पुराना नशा छूटा, जीवन बन गया सम्मानित

शिव आमंत्रण, आबू रोड। मैंने जीवन में लगातार 31 साल तक नशीले पदार्थों का सेवन किया। मांस-मदिरा तो जैसे जीवन का हिस्सा बन गया था। लड़ाई-झगड़ा करना आम था। शराब के सेवन से आर्थिक और मानसिक रूप से कमजोर हो गया था। जीवनयापन के लिए रिक्शा चलाता हूं। इससे घर का गुज़ारा हो जाता था, लेकिन नशे की आदत के कारण जीवन में स्थिरता और शांति नहीं थी। मन सदा बैचेन रहता था। सभी तरह की गलत आदतें थीं, लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आने के बाद जैसे जीवन नरक से स्वर्ग समान बन गया।त

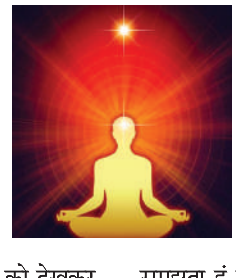

जैसे ही मैंने यहां का दिव्य ज्ञान सुना और सात दिन का राजयोग मेडिटेशन का कोर्स किया तो उसी क्षण एक झटके से सारी गलत आदतें, मांस-मदिरा का सेवन और लड़ाई-झगड़ा करना छोड़ दिया। अचानक से मेरे अंदर आए इस बदलाव को देखकर मित्र, परिजन और संबंधी अचंभित रह गए। क्योंकि कल तक जो दिन-रात शराब के नशे में रहता था। झगड़ा करता था, वह इंसान पूरी तरह बदल गया। राजयोग की बदौलत मुझे शुद्ध, सात्विक और ईमानदार आय का महत्व पता चला। जीवन में कई कठिन परिस्थितियां भी आईं। लेकिन परमपिता शिव परमात्मा के साथ और राजयोग की शक्ति से सब पर विजय हासिल की। धर्मपत्नी के देहांत के बाद मैं अंदर से टूट गया था, लेकिन उस समय राजयोग सबसे बड़ा सहारा बना। राजयोग से जीवन जीने की राह मिली, मनोबल बढ़ा और उस तनाव को भुलाने की शक्ति मिली। चार बेटियों और बेटे को पढ़ाया-लिखाया, खुद से भोजन बनाकर खिलाया। राजयोग से मानसिक दृढ़ता और सकारात्मक सोच के कारण जीवन संतुलित, स्वस्थ और पूर्णतः नशामुक्त है। आज मुझे देखकर अनेक लोगों को प्रेरणा मिलती है कि जीवन को ऐसे भी बनाया जा सकता है। आटो चलाकर पूरे परिवार को चला रहा हूं।

परमात्मा का कमाल है कि कभी भी आर्थिक रूप से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। परिवार के भरण-पोषण के लिए शिव बाबा इंतजाम करा देते हैं। खुद को भाग्यशाली समझता हूं कि शिव बाबा ने मुझे चुना, अपना बच्चा बनाया और यह दिव्य ज्ञान अपनाने का मौका मिला। अब तो दिन-रात दिल खुशी में झूमता रहता है, पाना था सो पा लिया। राजयोगी जीवनशैली अपनाने से आज समाज में सभी बहुत ऊंची दृष्टि से देखते हैं और सम्मान देते हैं। मेरे साथी आटो चालक बहुत सम्मान करते हैं। सभी का मुझकर बहुत भरोसा है। साथ ही सभी दीदियों का सदा मार्गदर्शन मिलता रहता है।

गतिशील जीवन में जागृत चेतना द्वारा प्रेम-अहिंसा

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 93

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशतनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

शिव आमंत्रण, आबू रोड। मूल्यपरक जीवन की व्यावहारिकता का परिदृश्य अत्यधिक व्यापक होता है जिसमें जीवात्मा आत्म हित के साथ-साथ कल्याणकारी उद्देश्य से निर्धारित गतिशील जीवन में जागृत अनुभूतिगत चेतना के माध्यम से आत्मिक प्रेम के अहिंसक स्वरूप को सर्व आत्माओं के उत्थान हेतु सहज ही प्रतिपादित कर देती है। चेतना का आन्तरिक सौन्दर्य अहिंसक प्रेम और वात्सल्य से भरपूर होता है जो आत्मिक-स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव की वास्तविक प्रतिकृति से अभिभूत होकर व्यवहार जगत को पुष्पित और पल्लवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिसमें आध्यात्मिक पुरुषार्थ की आन्तरिक सुगंध सदैव विद्यमान रहती है।

जीवन का पवित्र उद्देश्य निर्मित हो जाने के पश्चात उर्ध्वगामी आत्मगत परिवेश जीवात्मा को गतिशीलता के उच्चतम मानदण्ड पर स्थापित कर देता है जिसकी परिणिति द्वारा चैतन्यता, कल्याणकारी ध्येय के सानिध्य में अनवरत रूप से प्रेममयी स्वरूप बनकर परमार्थिक अहिंसा की वृद्ध संकल्पना को आत्मसात कर लेती है। चेतना का मौलिकता का अनुशीलन गुणात्मक स्वरूप मे कल्याणकारी उद्देश्य से गतिशील जीवन ही गुणग्राही विशिष्टताओं से सुसज्जित होकर निरन्तर पुरुषार्थरत रहता है तथा आत्मिक चिंतनशीलता को प्राथमिक स्तर पर स्वीकारोक्ति प्रदान करते हुए आत्मानुभूति की शक्ति से शुद्ध उपयोग की दिशा में अग्रसर हो जाता है। कल्याणकारी उद्देश्य की पूर्णता हेतु संलग्न गतिशील जीवन में जागृत चेतना का अनुभवी स्वरूप नैसर्गिक आत्मिक प्रेम में अहिंसक भाव एवं विचार जगत को प्रतिबिम्बित करता है जिससे सर्वागीण विकास

की अवधारणा को आत्मानुभूति के केन्द्र में रखकर परमात्मानुभूति की प्राप्ति को सुनिश्चित किया जा सकता है।

मंगलकारी स्थिति में जागृत चेतनाः आत्मा पूर्णतः सुख स्वरूप ही है यह सत्य जीवात्मा के व्यवहार में रूपान्तरित होने के लिए आत्मा पर अगाध श्रद्धा , आस्था एवं मान्यता का विश्वसनीय पक्ष आचरण के संदर्भ और प्रसंग में आत्मिक आश्रम से आत्मानुभूति के द्वारा प्रकट होता है जिसमें आत्महित की मंगलकारी स्थिति जागृत चेतना की जीवंतता के रूप में परिलक्षित होती रहती है । गतिशील जीवन में जागृत चेतना द्वारा आत्मिक प्रेम एवं अहिंसक - वृत्ति , प्रवृत्ति और मनोवृत्ति को विकसित करतें हुए सदा - श्रेष्ठ , शुभ एवं पवित्र कर्म को क्रियान्वित किया जाता है जीवात्मा की मंगलकारी स्थिति का प्रमाण है और इस उच्चता को सुरक्षित तथा संरक्षित स्वरूप में बनाये रखने के लिए परमात्म सत्ता के प्रति सम्पूर्ण समर्पण अनिवार्य होता है। आत्म जगत की मंगलकारी स्थिति का अनुभूतिगत पक्ष - मानव जीवन की अमूल्य धरोहर है जिसे आध्यात्मिक पुरुषार्थ से प्राप्त किया जा सकता है क्योंकि निज ' निधि-निजानंद' स्वरूप में ही सदा समाहित रहती है यही परमात्म सत्ता का सर्व जीवात्माओं पर सर्वाधिक वृहद् उपकार है जिसकी सम्पूर्ण स्वीकारोक्ति का श्रद्धाभाव व्यावहारिक रूप से जीवन मुक्ति का आधार बन जाता है।

आत्मिक अवस्था द्वारा प्रेम अहिंसा

जीवन की गतिशीलता में सर्व जीवात्माओं का मूलभूत उद्देश्य विभिन्न स्थितियों के अन्तर्गत स्वयं की आत्मिक अवस्था को बनाये रखना है जिसे आत्मा के गुणों एवं शक्तियों के निरन्तर गुणानुवाद के साथ-साथ परमसत्ता की अनवरत स्मृति के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। आत्मगत स्वभाव का अति संवेदनशील पक्ष गतिशील जीवन में जागृत चेतना द्वारा सम्पूर्ण मनोयोग से व्यावहारिक रूप में आत्मिक अवस्था के सानिध्य से प्रेमपूर्ण व्यवहार की प्रायोगिक पृष्ठभूमि के जीवंत स्वरूप अर्थात् अहिंसक जीवन शैली का नैसर्गिक प्रतिपादन सुनिश्चित हो जाता है। स्वयं को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के व्यवहार जगत में स्थापित करने हेतु आत्मिक स्थिति और अवस्था का निर्माण कर लेने का पुरुषार्थ सदा आत्मा को स्वरूप बनने अर्थात सम्पूर्ण परिष्कृत अनुभूति में रूपान्तरित कर देता है जो आत्मानुभूति की गतिशील प्रक्रिया का जीवंत परिणाम होता है। अर्न्तमन की सहजता का सरल स्वरूप ही जीवन के व्यवहार की आधारशिला बनकर प्रकट होता है जिसमें विनम्रता युक्त मधुरता की सुगन्धित- पृष्ठभूमि आत्मीयता के सम्पूर्ण परिदृश्य में वातावरण के अन्तर्गत विभिन्नताओं की उपस्थिति के पश्चात भी दृष्टि और दृष्टिकोण में न्यायोचित परिवर्तन के माध्यम से आत्मिक अवस्था के समदृश्य स्वयं को परिवर्तित करने में उपलब्धिपूर्ण सफलता अर्जित कर लेता है। जीवन के वास्तविक मानदण्ड की स्वीकारोक्ति का परिदृश्य अनवरत रूप से आत्मिक नैसर्गिकता से सम्बद्ध रहता है जिसमें आत्मगत स्वभाव की कार्यप्रणाली गतिशील जीवन में जागृत चेतना द्वारा आत्मा की स्थिति, अवस्था एवं स्वरूप के सामंजस्य से प्रेममयी व्यवहार जगत को सम्पूर्ण जीवनकाल में अहिंसक मनोवृत्ति के सानिध्य में सम्प्रेषित करती रहती है।

"जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान अर्थात् मनुष्य की पहचान कर्म और ज्ञान से होनी चाहिए, जाति से नहीं।"

संत कबीर दास, कवि- संत

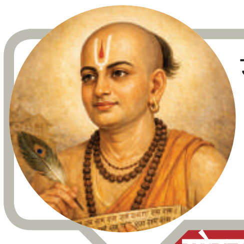

"मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है। अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है।"

गोस्वामी तुलसीदास, महान संत

अलविदा...

राजयोगिनी सुरेंद्र दीदी

उप्र से लेकर नेपाल से पहुंचे हजारों बीके सदस्यों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

शिव आमंत्रण, वाराणसी, उप्र।

पूर्वी उप्र और पश्चिम नेपाल की निदेशिका 83 वर्षीय राजयोगिनी सुरेंद्र दीदी नहीं रहीं। उन्होंने 6 मार्च को सुबह 9.10 बजे अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार वाराणसी के हरिश्चंद्र घाट पर 8 मार्च को प्रातः 10 बजे किया गया। उप्र और नेपाल से आए हजारों बीके सदस्यों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। इसके पूर्व उनकी पार्थिव देह को संस्था के सारनाथ स्थित ग्लोबल लाईट हाउस के सभागार में लोगों के अंतिम दर्शन हेतु रखा गया।
आपने मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में ही अपना जीवन परमात्मा सेवा पथ पर चलते हुए विश्व कल्याण के लिए अर्पण कर दिया था। वाराणसी में सात दशक लम्बा आध्यात्मिक और सामाजिक सेवा की अप्रतिम मिसाल पेश करने वाली दीदी आध्यात्मिक शक्ति की जीती- जागती मिसाल थीं।

इस मौके पर विशेष रूप से पूर्वी उप्र और पश्चिम नेपाल की सह-निदेशिका राजयोगिनी परिनीता दीदी, क्षेत्रीय प्रबंधक बीके दीपेंद्र भाई, दक्षिणी विधायक सौरभ श्रीवास्तव, एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय, एपेक्स हास्पिट्ल के निदेशक डॉ. एसके सिंह, बीके गीता दीदी, बीके रंजना दीदी, बीके सोमा दीदी, बीके विमला दीदी, बीके पुष्पा दीदी, कानपुर सबज़ोन प्रभारी बीके गिरजा दीदी, प्रयागराज प्रभारी बीके मनोरमा दीदी, लखनऊ प्रभारी बीके राधा दीदी, बीके सुमन दीदी, नेपाल से

बीके कमला दीदी, बीके सावित्री दीदी बीके विष्णु, बीके मोहन, बीके पंकज, बीके शैलेश, कानपुर से बीके अशोक, बीके भूपेंद्र, बीके नरेन्द्र ने पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी विदाई दी। मुखाग्नि वाराणसी ज़ोन की सह-प्रभारी बीके परिणीता दीदी, क्षेत्रीय प्रबंधक बीके दीपेन्द्र भाई, बीके गीता दीदी, बीके रंजना दीदी, बीके दुर्गा दीदी ने दी। संस्था के मुख्यालय आबूराज से डॉ. सविता दीदी, आवास- निवास विभाग के प्रमुख बीके देव भाई, पीआरओ बीके कोमल भाई, बीके अमरजीत भाई, बीके रामकृष्ण भाई, बीके वीरेन्द्र भाई, बीके संजय भाई, बीके अनिल भाई, बीके अर्जुन भाई, बीके विष्णु भाई, बीके भद्रराज भाई, बीके हरिराम भाई ने पुष्पांजलि अर्पित की।

1964 से वाराणसी में दे रहीं थीं सेवाएं

राजयोगिनी सुरेंद्र दीदी ने अपने जीवन काल में काशी के संत-महात्माओं और शंकराचार्यों के साथ विद्द्वत मंडली के बीच आध्यात्मिक शक्ति की मिसाल बन वर्ष 1964 में वाराणसी को अपनी सेवा कर्मस्थली बनाया। जन-जन के अंदर आध्यात्मिकता की अलख जगाए जीवन को सादगी, दिव्यता और पवित्रता से आलोकित करने वाली दीदी ने उप्र से लेकर नेपाल तक सेवाओं का विस्तार करते हुए सैकड़ों सेवाकेंद्रों की स्थापना की। आप सरलता, दिव्यता, गम्भीरता जैसे गुणों से ओतप्रोत थीं। आपका अनुपम ओजपूर्ण ललाट और शक्तिशाली प्रकम्पनों से कोई भी प्रभाववित हुए बिना नहीं रह सकता था। दीदी जी के देहावसान पर स्थानीय संत-महात्माओं के साथ जन-प्रतिनिधि, बुद्धीजीवी वर्ग सहित गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने शोक व्यक्त करते हुए इसे मानव समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया।

मुख्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका गीता दीदी का अव्यक्त आरोहण

शिव आमंत्रण, आबूरोड।

ब्रह्माकुमारीज़ के बिज़नेस एंड इंडस्ट्रीज़ विंग की मुख्यालय संयोजिका एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका 70 वर्षीय राजयोगिनी बीके गीता दीदी
नहीं रहीं। उन्होंने 11 मार्च को प्रातः 2 बजे ट्रॉमा हॉस्पिटल आबू रोड में अंतिम सांस ली। 9 मार्च को आपको ब्रेन हेमरेज एवं कार्डियक अरेस्ट के कारण ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया था। गीता दीदी यज्ञ की विशेष सेवा रत्न, मधुर वाणी की धनी, स्नेहमयी एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व की धनी थीं। आपने अपना सम्पूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवा, ब्राह्मण परिवार की पालना तथा अनेकों आत्माओं को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर करने में समर्पित कर दिया। आपकी सरलता, मातृत्व भाव और सेवाभाव सदैव सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।
उनके स्नेह, मार्गदर्शन और सेवाओं की स्मृतियां सदैव ब्राह्मण परिवार के हृदय में जीवित रहेंगी। आप प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर भी थीं। आपने देश-विदेश में अनेक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेकर संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। आपकी दिव्य वाणी और ज्ञान की गहराई से हजारों लोगों को जीवन में नई दिशा मिली है। आध्यात्मिक मार्ग के पथिकों को जीवन में नई रोशनी मिली है।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, बीदर, कर्नाटक। राजऋषि वन रिट्रीट सेंटर में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान माउंट आबू से पधारे बीके जयसिम्हा भाई ने होली का आध्यात्मिक रहस्य बताया। राजऋषि वन की निदेशिका राजयोगिनी बीके सुमंगला दीदी ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं।

शिव आमंत्रण, बहल (हरियाणा)। सेवाकेंद्र पर आयोजित शिव जयंती कार्यक्रम में पधारे सरपंच प्रतिनिधि सुरेश सोनी को शिव आमंत्रण की प्रति भेंट करते हुए बीके शकुंतला बहन, बीके अशोक सोनी।

शिव आमंत्रण, रतलाम, मप्र। 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर रतलाम के प्रसिद्ध गढ़ कैलाश शिव मंदिर में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर करते हुए महापौर प्रहलाद पटेल, उद्योगपति अनोखीलाल कटारिया, ब्रह्माकुमारी स्वाति बहन व अन्य भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण, मथुरा, उप्र। रिफाइनरी नगर स्थित नगर चौपाल में 40वां वार्षिक फ्लावर शो भव्यता के साथ आयोजित किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी की ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी व वैल्यू गेम्स स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। इसका उद्घाटन सांसद एवं मशहूर फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कृष्णा दीदी द्वारा किया गया।

शिव आमंत्रण, दुर्ग, छग। राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के बघेरा स्थित 'आनंद सरोवर' में सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें अतिथि के रूप में भारती साहू डायरेक्टर (अथर्व कॉलेज धनोरा), स्नेहा मित्तल (सचिव इनर व्हील क्लब), पिंकी बंसल, नीतू श्रीवास्तव (श्रुति फाउंडेशन), रोहिणी पाटणकर, रत्ना नारमदेव (समाजसेवी व पूर्व एल्डरमैन नगर निगम दुर्ग), प्रीति बेहरा (सदस्य आंतरिक परिवाद समिति सेना सशस्त्र बल भिलाई), ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी (राजयोग शिक्षिका) उपस्थित थे।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

विशेषता को जितना सेवा में लगाएंगे उतनी खुशी होगी

शिव आमंत्रण, आबू रोड।
नेचर भी हरेक की कोई ना कोई उल्टी-सुल्टी होती है और एक विशेषता भी सभी में है। बाबा कहते हैं नौ लाख की माला में जो लास्ट वाला होगा, उसमें भी विशेषता जरूर होगी, नहीं तो भगवान आपको क्यों अपनाता! भगवान की परख रांग नहीं हो सकती है। बाबा ने आपको अपना बनाया और आपने कहा मैं बाबा का हूँ, मैं ब्रह्माकुमार हूँ। आपको बाबा ने अपनाया तो जरूर आपमें विशेषता है तभी बाबा ने आपको विशेष आत्मा बनाया। यह हो ही नहीं सकता है कोई भी ब्राह्मण आत्मा कहे कि मेरे में तो कोई विशेषता नहीं है। अपनी विशेषता आप खुद नहीं जानते हो, यह हो सकता है। अवगुण तो प्रसिद्ध हो जाता है। आप भले नहीं जानो लेकिन दूसरे को फील होता है फिर वह कहता है तो पता पड़ जाता है। बाबा ने हरेक की विशेषता को देख उस विशेषता को कार्य में लगवाया और उस विशेषता को कार्य में लगाने से वह और ही आगे बढ़ गया। तो अपने में जो विशेषता है उसको कार्य में लगाओ।

बाबा ने हर एक को कोई न कोई विशेषता दी है। बाबा की दी हुई विशेषता को मेरी विशेषता समझ करके अभिमान में नहीं आना है। कई कहते हैं मेरे में यह विशेषता है, मेरी विशेषता को क्यों नहीं जानते हैं, मेरी विशेषता को यूज करना चाहिए। मेरे-मेरे में आते हैं तो फिर वह विशेषता दब जाती है। ऊपर से मिट्टी आ जाती है। मेरापन आ गया तो वह काम में नहीं आती है। मेरी नहीं, यह प्रभु की देन है। प्रभु की देन को कभी भी अपना नहीं माना जाता है। बाबा की दी हुई विशेषता को जितना कार्य में लगाएंगे उतना खुशी होगी और शक्ति बढ़ती जाएगी।

दूसरी बात - बाबा कहता है कि निगेटिव नहीं देखो। लेकिन है ही निगेटिव तो निगेटिव दिखाई तो देगा, है ही बुरी चीज। फिर भी बाबा कहता है कि निगेटिव को भी पॉजीटिव में चेंज करो, यह हो सकता है ? जैसे गुलाब के फूल की पैदाइश खाद से होती है ऐसे बुराई से भी अच्छाई ले लो। जब हमारी क्रियेशन में इतनी शक्ति है तो हम गुलाब के फूल तो क्या सारे प्रकृति के रचयिता हैं, तो हमारे में यह ताकत नहीं है! कोई कहते हैं वह गाली दे रहा है तो मैं कैसे समझूं कि यह महिमा कर रहा है लेकिन बाबा कहता है निगेटिव को पॉजीटिव में चेंज करो। वह क्रोध कर रहा है, सारा ही झूठ बोल रहा है, तो कैसे चेंज करेंगे? कई कहते हैं वैसे मुझे क्रोध नहीं आता है लेकिन जब कोई झूठ बोलता है तो फिर मेरे को बहुत क्रोध आता है। फिर नहीं सहन हो सकता है। बाबा कहता है कोई झूठ बोलता है वह आपको बुरा लगता है, क्योंकि वह गलत है लेकिन उसके प्रति आपको क्रोध आया तो क्या यह किसी मुरली में श्रीमत है कि अगर कोई आपकी ग्लानि करे तो आप क्रोध करो! क्या यह राइट है? बंधा हुआ बंधे वाले को छुड़ा सकता है ?

बाबा का दिव्य व्यक्तित्व हर आत्मा पर छोड़ देता था अमिट छाप

शिव आमंत्रण, आबू रोड।
ब्रह्माकुमारी जानकी जी कहती हैं कि साकार बाबा की ज्ञान-मुरली का प्रभाव तो ऐसा था ही कि जिस से आत्मा आनन्दित हो उठे परन्तु साथ ही साथ बाबा का स्नेह, उनके चितवन पर मधुर मुस्कान, उनका दिव्य व्यक्तित्व, उनका उठना-बैठना ही ऐसा निराला था कि कोई भी प्रभावित हुए बिना न रह सकता। सभी कहते कि इस आयु में इतनी स्फूर्ति, ऐसा पूर्ण स्वास्थ्य, सीधी बैठक, मुख-मण्डल पर ऐसा तेज, मस्तक में, भृकुटि के बीच स्पष्ट दिखाई देता हुआ दिव्य प्रकाश ये सभी तो ऐसे हैं कि न हमने आज तक किसी के व्यक्तित्व में देखे हैं, न ही हो सकते हैं। उनके मन में निश्चय की नींव पक्की हुई कि यह भगवान शिव के साकार माध्यम हैं क्योंकि जो ज्ञान-रत्न, तीनों कालों के जो गुह्य रहस्य, आत्मा के जन्म-जन्मान्तर की जो कहानी उनके मुखार्विन्द द्वारा व्यक्त होती थी, वह थी ही ऐसी अकाट्य तर्क से युक्त, ऐसे दिव्य विवेक से संगत तथा ऐसी सत्य कि दूसरा तो कोई किसी भी हालत में ऐसे रहस्यों का उद्घाटन नहीं कर सकता था। बाबा से अपार प्यार-दुलार पाकर, उनके पितृवत् व्यवहार से सभी को यह भासना आई कि आत्मा के अलौकिक पिता तो यह ब्रह्मा बाबा ही हैं और पारलौकिक पिता परमपिता परमात्मा शिव भी इस रथ में हैं।

इस प्रकार, निश्चय-बुद्धि होकर सभी ज्ञान-मार्ग में चलने लगे। अब सभी अपने निजी अनुभव से मानते थे कि यह बाबा जगत के पिता हैं,

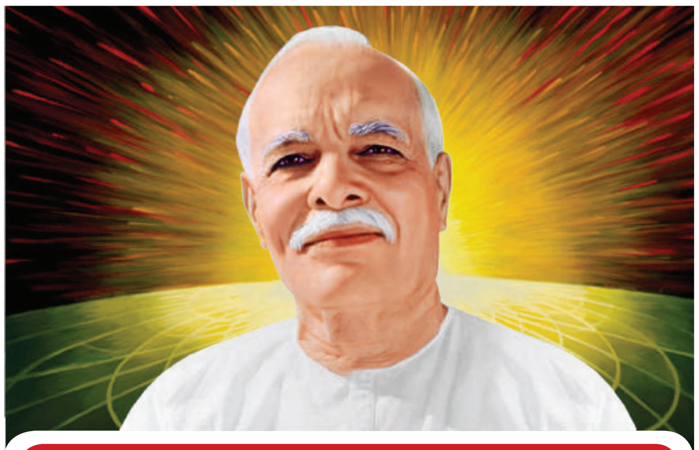

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अपने साथ दूसरों का कल्याण करने की भी शिक्षा बाबा देते थे।

ये वही ब्रह्मा बाबा हैं जो कल्प पहले भी ऐसी सृष्टि की रचना के निमित्त बने थे कि जिसमें अपार स्नेह था और सम्पूर्ण पवित्रता थी। बाबा के सम्पर्क में आने से तथा ज्ञान-चक्षु प्राप्त होने से उनका मन अब बार-बार स्वयं से कहता अरे मन, इस तन में तो भगवान आये हैं। मैंने स्वयं ही तो उन्हें देखा है। आहा, कितने सौभाग्यशाली हैं हम ! परन्तु यह कैसी विडम्बना है कि दुनिया के अन्य लोग अज्ञान-निद्रा में सोये पड़े हैं, चलो अब हम ही उन्हें बतायें कि हमने तो देखा है, हमने तो पाया है। साँवरिया तन में शिव भारत में आया है।

बाबा की वाणी में इतना ओज और इतना बल होता था कि बात मत पूछो ! बात सीधी मन पर जाकर ही लगती थी। बुद्धि के कपाट खुल जाते थे। आत्मा प्रभु स्मृति में टिक जाती थी। प्रभु से टूटा हुआ नेह जुट जाता था तथा समूची सृष्टि के प्रति यह भावना जागृत हो जाती थी कि उन्हें भी ईश्वरीय सन्देश दिया जाये। बाबा के हर प्रवचन से यह प्रबल प्रेरणा मिलती कि अब तो बस जब तक जीते हैं, संसार की अलौकिक सेवा करनी है, सभी को प्यारे परमपिता का यह परिचय देना है तथा उनका कल्याण करना है। बाबा भी नित्य प्रति समझाते कि किस व्यक्ति को उस परमपिता का कैसे परिचय देना है। इस प्रकार अपने साथ-साथ दूसरों का कल्याण करने की भी शिक्षा बाबा देते।

अब वह दिन भी आया जब सृष्टि की वृहद् सेवा करने वाले बाबा आबू पर्वत पर लौटने वाले थे। सभी अपना दिल मसोस कर रह गये। सभी को ऐसा लग रहा था जैसे कि उनसे कोई अपार खजाना छीन रहा हो। परन्तु बाबा से यह वचन लेकर ही सभी को सान्त्वना हुई कि बाबा शीघ्र ही फिर आयेंगे। बाबा तो गये परन्तु सभी का मन भी साथ ले गये। अब तार तो जुट ही गई थी, लगातार भावनायें तो प्रभु के पास पहुँचती ही रहती थीं परन्तु अब डाक-तार भी जाने लगे कि बाबा आप फिर आइये, हम आपके बिना नहीं रह सकेंगे। अब तो आपको बार-बार आना ही होगा, हम बच्चों को ज्ञान के मधुर बोल से आदि-मध्य-अन्त के रहस्यों से बहलाना ही होगा। अब तो सभी को ऐसी धुन सवार थी कि सभी ईश्वरीय संदेश देने में खूब रुचि ले रहे थे।

बाबा ने भी ईश्वरीय सेवार्थ वत्सों को साधन उपलब्ध कराने के लिए बड़ी संख्या में पत्र (Leaflets) छपवाये। बाबा समझाते कि 'बच्चे, अब आपने तो शिव बाबा को पहचाना है परन्तु करोड़ों भक्त पहचान के बिना मन्दिरों में जाकर पुकार रहे हैं। अतः अब आप वत्सों का यह कर्त्तव्य है कि उन्हें भी परिचय दो। उन्हें भी आत्मा और परमात्मा सम्बन्धी रहस्य समझाओ।

गंभीरता का गुण सर्वगुणों की खान है, साथ में रमणीकता भी हो

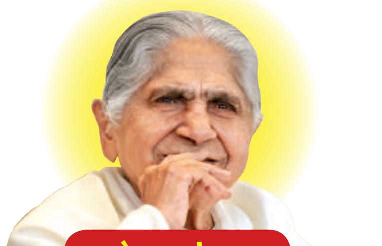

प्रेरणापुंज

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

शिव आमंत्रण, आबू रोड।
मम्मा-बाबा को देख करके हम अपने लिए नियम बनाकर रखें, मुझे उस नियम अनुसार चलना है। कभी मम्मा-बाबा ने किसकी गलती किसी को सुनाई नहीं होगी। समा लिया है, बहुत अच्छी तरह से जैसे हैं वैसे हैं। अन्दर से आता है बाबा के हैं। बाबा भी कहता है जैसे हैं वैसे बच्चे मेरे हैं। सच्चा स्नेह और सच्चाई क्या होती है उसको अच्छी तरह से समझना और अपने को उसमें फुल करना यह भी बड़ा सम्पत्तिवान बनना है। सच्चाई की शक्ति, ईश्वरीय स्नेह की शक्ति सारे विश्व सेवा में काम आ रही है। ईश्वरीय परिवार के अन्दर यूनिटी और स्नेह जितना बढ़ता जाए उतना शोभा है।

हमें स्वयं स्वमान में रहने के लिए भी बहुत ध्यान रखना है। ऐसे नहीं मेरा मान कम न हो जाए। यह ख्याल नहीं करना है। जितना स्वमान में रहेंगे और बाबा की बात को दिल से मानने, करने के लिए आत्मा सदा रेडी रहे। उसके सिवाए और कुछ करने और सोचने का सोच भी नहीं चल सकता है, कर भी नहीं सकते हैं। अपने को ऐसे ईश्वरीय कायदों के बंधन में बांधकर रखना माना सब प्रकार की जो भी सूक्ष्म रस्सियाँ हैं उससे मुक्त होना। गंभीरता का गुण सर्वगुणों की खान है। गम्भीरता के साथ रमणीकता भी हो।

बाबा के मीठे बोल अति प्यारे लगते हैं क्योंकि हमारे जीवन को परिवर्तन करने में शक्ति देने वाले बोल हैं। बाबा की मुरली सुनते सदा अपने आपको देखो - मैं कौन हूं? वाह रे मैं! वाह ड्रामा! वाह बाबा! तो कितना परिवर्तन आ जाता है। वाह रे मैं माना अभिमान चला गया, सर्व आत्माओं में से बाबा ने हमको श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मा बना लिया। इसलिए कहते हैं-वाह रे मैं! अपने श्रेष्ठ भाग्य को देख दिन प्रतिदिन भाग्य की रेखा बड़ी लम्बी खींचते चलो। जितना चाहे खींच लो। भाग्यविधाता बाबा है इसलिए इजी हो गया है क्योंकि उसके बच्चे हैं! सीख जाते हैं उनसे कैसे भाग्य बनाएं, इसलिए ब्रह्मा बाबा को भागीरथ कहते हैं।

भक्तिमार्ग में भागीरथ की बहुत मान्यता है। तो ड्रामानुसार यह भी हमारा भाग्य है कि बाप के मस्तक पर बैठ हम ज्ञान गंगा बने हैं। बाबा कहां से उठाकर कहां बिठाता है, जिस बाप का बच्चे से बहुत प्यार होता है या जो बच्चा बहुत लाडला होता है तो उस बच्चे को कंधे पर उठा लेते हैं। और यहां तो बाबा हम सबको सिर पर उठाकर सिर का ताज बना देता है। तो हम बाप के सिर का ताज हो गए, तब ही तो हम बाबा को प्रत्यक्ष कर सकेंगे।

गीता ज्ञान दाता ने ज्ञान सुनते, ब्रह्मा मुख से महावाक्य सुनते ब्राह्मण लाइफ बनाई है। अपने आप सिद्ध हो रहा है जो गीता भक्तिमार्ग में गाई हुई है, अब वहीं गीता ज्ञान दाता सन्मुख हम बच्चों को सुना रहा है। गीता किसने किसको सुनाई - यह अभी स्वतः सिद्ध हो रहा है। ज्ञान जो बाप ने दिया है, वह है योगी बनने के लिए, दैवीगुण धारण करने के लिए। ज्ञान है कि कैसे पवित्र बनो, योगी बनो। हमारा स्लोगन भी है - बी होली, बी योगी। फर्स्ट बी होली। सोल कॉन्शेसनेस रहने से पवित्र बनते जाते हैं। अपवित्रता से नैन-चैन, बोल-चाल बदल जाते हैं। यहीं तो बाबा ने ज्ञान अर्थात् समझ दी है और साथ-साथ किसके बच्चे हैं तो संस्कार बदल जाते हैं।

पवित्रता-अपवित्रता में अंतर जानना जरूरी

पवित्रता और अपवित्रता में क्या अन्तर है इसको जानने से 'बी होली' बनना इजी हो जाता है। ज्ञान से बुद्धि को यह समझ आई, रियलाइजेशन हुआ कि परिवर्तन होना आवश्यक है और होने की यह घड़ी है। श्रेष्ठ जीवन जीने का भाग्य मिल रहा है। काम वाली जीवन जीने का कोई मतलब ही नहीं है। उससे हम छुटकारा पा लेते हैं, जैसे बन्धन छूट जाते हैं वह खींचते नहीं हैं। निश्चय का बल विजय बना रहा है। अनुभव होता जा रहा है, यह भी समझ से निश्चय हुआ।

जिसका जिस घड़ी निश्चय हिलता है या कोई प्रकार का डाउट होता है तो सीधा कहेंगे - कोई समझ की कमी है। ठीक तरह से समझ काम नहीं करती है तो खुद में, बाप में या ईश्वरीय परिवार में या किसी में भी कोई सूक्ष्म डाउट उठता है और जिस घड़ी कोई डाउट ही नहीं है, कुछ क्वेश्चन नहीं तो वन्डर है जो भी सीन सामने है अच्छी लगती है। भगवान ने हमें बहुत अच्छी समझ दी है कि मेरा हर एक बच्चा समझदार बने।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : मुख्यमंत्री की पत्नी सहित अनेक गणमान्य महिलाएं हुईं शामिल

अच्छे विचारों को फैलाएं, मानव जीवन को सफल बनाएं: कौशल्या देवी

शिव आमंत्रण, रायपुर, छग।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में वन्दे मातरम् से स्वर्णिम भारत विषय पर महिला जागृति आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय ने कहा कि बच्चे का पहला गुरू माता-पिता होते हैं। इसलिए यदि आपने बच्चे को बचपन से ही सही राह दिखा दी तो बहुत बड़ा काम कर लिया। बाहर बहुत शोर है। वह कानों को सुन्न कर रहा है। हम भौतिकता में लिप्त हो रहे हैं। अब इससे दूर रहकर साधना की जरूरत है। कल क्या होगा नहीं मालूम इसलिए वर्तमान को जीना सीखें। अच्छे विचारों को फैलाइए और मानव जीवन को सफल बनाइए। मार्ग कितना भी कठिन क्यों न हो उस मार्ग पर चलना जरूर है। जिन्दगी कठिन नहीं है सहज है। कठिन हम बना लेते हैं। राजयोग को जीवन में अपनाएं औरों को भी प्रेरणा दें। हमें बेटियों को अच्छी शिक्षा देनी है ताकि वह ससुराल में जाकर अपनी जिम्मेदारी समझे। उन्होंने घोषणा की कि वह जुलाई माह में ब्रह्माकुमारी आश्रम देखने माउण्ट आबू जाएंगी। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि यदि मातृशक्ति को आगे बढ़ाना है तो उन्हें शिक्षित करना होगा। मन विजय से रण विजय होगा।

भाजपा प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे ने कहा कि जब मैंने राजयोग सीखकर उसका अभ्यास करना शुरू किया तो स्वभाव ही बदल गया। अब वह सबके प्रति अपनेपन का भाव रखती हैं। राजयोग से हमारे अन्दर की शक्तियाँ जागृत हो जाती हैं। बीके रश्मि दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन ब्रह्माकुमारी अदीति दीदी ने किया।

रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि नारी अब अबला नहीं रही वह सबला बन गई है। ब्रह्माकुमारी पूरे विश्व में एकमात्र ऐसी संस्था है जिसका पूरा संचालन मातृशक्ति द्वारा किया जाता है। परमपिता परमात्मा ने ज्ञान का कलश माता-बहनों के सिर पर रखा है। थोड़ा समय निकालकर राजयोग का अभ्यास करें। यह मन को शक्तिशाली और बुद्धि को दिव्य बनाने का अच्छा माध्यम है। पुलिस महानिदेशक की धर्मपत्नी ज्योति गौतम ने बताया कि जब उन्होंने राजयोग सीखा तो सबसे पहले उनके मन से भय और चिन्ता दूर हो गई। उन्होंने सभा में उपस्थित महिलाओं से आध्यात्मिकता को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि अपने जीवन में परिवर्तन लाकर ही हम स्वर्णिम भारत बनाने के कार्य में मददगार बन सकते हैं। पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने कहा कि सनातन धर्म में पुरूष और नारी को समान दर्जा प्राप्त है। घर परिवार में बच्चे को शिक्षित करने का कार्य माताएं करती हैं। इसलिए महिलाओं के लिए शिक्षा का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। भौतिकता में ही न खो जाएं।

मानसिक शांति के लिए आध्यात्मिक शक्ति आवश्यक है: जिपं सीईओ

शिव आमंत्रण, अंबिकापुर, छग।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संचालिका सरगुजा संभाग की बीके विद्या दीदी ने कहा कि नारी शुरुआत से पूजनीय हैं। वह स्नेह, करुणा, बलिदान, त्याग की जननी है। ब्रह्माकुमारी महिलाओं का एक विशाल संगठन है जो मूल्य निष्ठ समाज की स्थापना एवं चरित्र निर्माण के कार्य में लगातार प्रयासरत है। विश्व परिवर्तन हेतु पहले स्व परिवर्तन करने के लिए अपने अंदर की शक्तियों, गुणों प्रेम, दया, करुणा को जगा कर स्वयं को शक्तिशाली बनाने की आवश्यकता है, इसके लिए आध्यात्मिक शक्ति के माध्यम से आत्मिक बल द्वारा ही स्वयं को दैवीय गुणों से भरना है। सीईओ बलरामपुर नयनतारा ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक शांति के लिए आध्यात्मिक शक्ति की आवश्यकता है। डॉक्टर रूपल ठाकुर ने कहा कि दवाईयों के साथ सकारात्मक सोच जरूर रखना है। साथ ही परमात्मा पर भरोसा रखें। जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता मीरा शुक्ला, पीजी कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. रश्मि चरियानी, पार्वती इंस्टीट्यूट से सहायक प्रिंसिपल प्रीति सोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन बीके प्रतिमा बहन ने किया। बीके पुष्पा बहन ने सुंदर एक्टिविटी कराई।

26 प्रतिभावान महिलाएं सम्मानित

अटलादरा, गुजरात। सेवाकेंद्र में 'वंदे मातरम्-स्वर्णिम भारत' थीम पर महिला दिवस मनाया गया। इसमें वडोदरा में विभिन्न समाज हितकारी क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका द्वारा उल्लेखनीय योगदान देने वाली 26 प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी अमर दीदी ने कहा कि जीवन में अनेक दुखों का कारण अहंकार है। अहंकार ही अंधकार है और ईश्वरीय ज्ञान प्रकाश है तो आज के दिन हम सभी अपनी आंतरिक ज्योति जगाएं और जीवन को परिवर्तन करने का शुभ महिला दिन मनाएं। सुमनदीप यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ.मेघना बेन जोशी ने कहा कि हर नारी के जीवन के संघर्ष के समय आत्मसम्मान ही सबसे बड़ी शक्ति है। कॉरपोरेटर संगीता बेन चोकसी, बिलाबोंग स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. प्रीति बेन श्रीमाल, मां शक्ति गरबा ग्रुप की डायरेक्टर आरती बेन ठक्कर, पीपी श्रॉफ ग्रुप की ओनर परेशा बेन ठक्कर, वैद्य बीके रिया बेन मुख्य से मौजूद रहीं। सेवाकेंद्र संचालिका बीके डॉ अरुणा बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी महिलाओं का सम्मान किया गया।

महिलाएं घर को स्वर्ग बना सकती हैं

शिव आमंत्रण, खजुराहो, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सब इंस्पेक्टर संतोष सिंह उपस्थित रहीं। खजुराहो सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी विद्या बहन कहा कि महिला परिवार की धुरी होती है। यदि वह चाहे तो पूरे परिवार को परिवर्तन कर सकती है। अपने घर को स्वर्ग बना सकती है। महिला पुरुषों से कम नहीं है। जो काम पुरुष कर सकते हैं, वह महिला भी कर सकती है। अगर वह ठान ले तो धरती को स्वर्ग बना सकती है । महिला दया, करूणा, सहनशीलता की मूर्ति है। भगवान ने अपने ही जैसा एक स्वरूप स्त्री को बनाया है जो सबको प्यार पालन और सम्मान दे। अतः हम महिलाओं को चाहिए कि हम खुद की दिनचर्या पर ध्यान दें। खुद के जीवन को परिवर्तन करें। अंत में सभी को ईश्वरीय प्रसाद एवं सौगात भेंट की गई।

रांची सेवाकेंद्र पर अलौकिक होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को प्रेम, खुशी का रंग लगाएं

शिव आमंत्रण, रांची, झारखंड।

ब्रह्माकुमारीज़, चौधरी बागान, हरमू रोड पर अलौकिक होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने कहा कि होली का पावन पर्व हमें संदेश देता है कि जो आपसी मतभेद, बुराई है उसे भुलाकर एक-दूसरे पर प्रेम, खुशी का रंग लगाएं। आत्मा को परमात्मा के रंग में रंग दें। इसमें टाटा स्टील के उपप्रवन्धक अमरनाथ सिंह, समाजसेवी मनमोहन मोहता, पतंजलि के नगर प्रभारी वीरेन्द्र कुमार, समाज सेवी उमा देवी, समाजसेवी व्यवसाई अमित अग्रवाल, झारखण्ड प्रदेश मारवाड़ी सम्मलेन के महामंत्री विनोद जैन, मारवाड़ी सहायक समिति के उपाध्यक्ष कौशल राजगढ़िया, दन्त चिकित्सक डॉ. आशीष भगत, समाजसेवी मुकेश जजोड़िया, एसबीआई के सेवानिवृत एजीएम सुनील गुप्ता, समाजसेवी अरविन्द कुमार तथा समाजसेवी रंजना कुमारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

छतरपुर : मेले में अलग-अलग वर्ग के लिए सम्मेलन आयोजित, नशामुक्ति का दिया संदेश

सप्त दिवसीय द्वादश ज्योतिर्लिंगम मेले में उमड़ा जनसैलाब

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नगर में सप्त दिवसीय द्वादश ज्योतिर्लिंग मेला आयोजित किया गया। मेले में रोजाना अलग-अलग वर्ग के लोगों के लिए कार्यक्रम, संगोष्ठी और सेमीनार आयोजित किए गए। साथ ही आमजन के दर्शनार्थ 12 ज्योतिर्लिंगम की सुंदर झांकी सजाई गई। इस दौरान आने वाले सभी श्रद्धालुओं को नशामुक्ति का भी संदेश दिया गया।

व्यापारियों के लिए आयोजित विशेष संगोष्ठी में भीनमाल (राजस्थान) से पधारी राजयोगिनी बीके गीता दीदी ने कहा कि आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण पूरे विश्व की दृष्टि भारत पर टिकी हुई है और समाज का प्रत्येक वर्ग व्यापार से प्रभावित होता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बाल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत "परमात्मा का सत्य परिचय" विषयक नृत्य-नाटिका रही। विशेष प्रस्तुति के रूप में मेजर ध्यानचंद अवार्ड से सम्मानित बीके आशीष भाई ने अपने दांतों से बस खींचने का अद्भुत प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को आश्चर्यचकित कर दिया। संचालन बीके रूपा दीदी ने किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने आभार व्यक्त किया।

वहीं, मेले के पांचवे दिन महिला सम्मेलन घर बने मंदिर विषय पर आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नंदिता पाठक, सर्व वैश्य समाज अध्यक्ष अर्चना कठल, भाजपा की मंडल उपाध्यक्ष शिल्पी जैन सहित नगर की गणमान्य महिलाएं उपस्थिति रहीं। डॉ. नंदिता पाठक ने कहा कि यदि हम ब्रह्माकुमारी बहनों के बताए आदर्शों पर चलेंगे तो हमारा घर मंदिर अवश्य बनेगा।

मेले का शुभारंभ करते अतिथि।

किसान सम्मेलन का आयोजन

छतरपुर। मेले के छठे दिन किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें भीनमाल राजस्थान से पधारीं बीके गीता दीदी ने कहा कि आज संसाधनो की कमी नहीं है, बस अच्छा काम करने के लिए अच्छे संकल्प की आवश्यकता है। आज भी गांव में दिल खोलकर स्वागत किया जाता है। ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय माउंट आबू में यौगिक खेती होती है। पूर्व प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय एस.के. उपाध्याय ने प्रभारी बीके शैलजा दीदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दीदी हर दम कुछ नया करने का प्रयास करती हैं। हमें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता हैं। वेसबाल प्रदेश उपाध्यक्ष मानसिंह, सीएमराइज उपप्राचार्य, गरौली रानी साहिबा पूर्णिमा सिंह, माया सर्वानी भी उपस्थित रहीं। संचालन बड़ामलहरा सेवाकेंद्र प्रभारी बी.के. रुपा दीदी ने किया। इसके बाद उपस्थित जनसमूह ने द्वादश ज्योतिर्लिंग की संध्या बेला महाआरती की।

स्ट्रैस मैनेजमेंट, मेंटल हेल्थ अवेयरनेस पर कार्यशाला आयोजित

शिव आमंत्रण, बेतिया, बिहार।

ब्रह्माकुमारी द्वारा मझौलिया पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्ट्रैस मैनेजमेंट, मेंटल हेल्थ अवेयरनेस और डी एडिक्शन पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विवेकानंद पाठक ने ब्रह्माकुमारी सदस्यों का पुष्पगुच्छ एवं शब्दों द्वारा सम्मान किया। कार्यशाला में ब्रह्माकुमारी अंजना दीदी ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों पर पढ़ाई, करियर और पारिवारिक अपेक्षाओं का दबाव निरंतर बढ़ रहा है, जिससे तनाव और मानसिक असंतुलन की समस्या सामान्य होती जा रही है। ऐसे समय में राजयोग मेडिटेशन मन को स्थिर, सकारात्मक और शक्तिशाली बनाने का सरल एवं प्रभावी माध्यम है। जब व्यक्ति स्वयं को आत्मा समझकर परमात्म शक्ति से जुड़ता है, तो उसके भीतर आत्मविश्वास, धैर्य और निर्णय क्षमता स्वतः विकसित होती है। विद्यार्थियों को कुछ मिनटों का व्यावहारिक राजयोग ध्यान अभ्यास भी कराया गया। ध्यान के पश्चात विद्यार्थियों ने मानसिक शांति, एकाग्रता एवं नई सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव साझा किया। बीके अजय भाई ने जीवन को तनावमुक्त बनाने हेतु सरल सूत्र समझाया। बीके गौरव भाई, बीके राकेश भाई, बीके चांदनी, बीके अजय, शिक्षक अभय कुमार गीरी शिक्षक भी मौजूद रहे।

1200 लोगों को बांटी नशामुक्ति दवा

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद, हरियाणा।

फरीदाबाद में आयोजित 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में ब्रह्माकुमारी के 21-डी सेवाकेंद्र की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक भव्य चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। स्टॉल पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक चित्रों के माध्यम से यह समझाया जा रहा है कि व्यक्ति किन कारणों एवं कर्मों से व्यसनों का शिकार बनता है तथा उनसे मुक्त होकर श्रेष्ठ और सुखी जीवन कैसे जिया जा सकता है। प्रदर्शनी में व्यसन के दुष्परिणामों और राजयोग के सकारात्मक प्रभावों को सरल भाषा और प्रभावशाली चित्रों द्वारा समझाया जा रहा है। साथ ही व्यसन मुक्ति एवं स्वस्थ जीवन के लिए डॉक्टर रामकुमार के मार्गदर्शन एवं सहयोग से 1200 लोगों को निशुल्क होम्योपैथिक दवाइयों का वितरण भी किया गया। स्टॉल पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं दर्शकों को राजयोग मेडिटेशन भी सिखाया जा रहा है। लगभग 10 हजार लोगों ने चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद भेंट कर माउंट आबू स्थित मुख्यालय आने का निमंत्रण दिया।

31111 मोतियों से बनाया शिवलिंग

शिव आमंत्रण,शिवाजी नगर,थाने,मुंबई

सेवाकेंद्र द्वारा शिव जयंती पर सर्वोच्च कौन? थीम पर स्टॉल बनाया गया। जिसमें 31111 मोतियों से शिवलिंग सजाया गया था। भक्त हनुमान की भक्ति करते, हनुमान राम जी की और राम शिव की आराधना करते हुए दिखाया गया। शिवरात्रि का अभिषेक करने की व्यवस्था भी रखी गई थी। इस मौके पर महिला संगठन की अध्यक्ष अर्चना पवार, समाज सेवक घनश्याम कनसे, विधायक रवीन्द्र फाटक, महाराष्ट्र राज्य शिवसेना के सचिव राम रेपाले, व्यापारी मंडल शिवाजी नगर के अध्यक्ष रामजी पटेल ने दीप प्रज्वलित कर स्टाल का शुभारंभ किया। इसके दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे।

पत्रकारों के लिए अलौकिक होली स्नेह-मिलन समारोह आयोजित

तकनीकी युग में संवेदनाओं को बचाए रखना बड़ी चुनौती

शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर, मप्र।

ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र दिव्य संस्कार भवन, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में होली एवं भाई दूज के पावन अवसर पर एक अलौकिक होली स्नेह-मिलन एवं ब्रह्माभोजन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने सपरिवार शिरकत की।

इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम दीदी ने कहा कि जिस प्रकार देवों में प्रथम पूज्य श्री गणेश जी होते हैं, उसी प्रकार समाज के किसी भी महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सबसे पहले पत्रकार बंधुओं को ही आमंत्रित किया जाता है। पत्रकारों को समाज का अग्रज बताते हुए कहा कि बाहर के रंगों के साथ-साथ ज्ञान और सद्गुणों के रंग से आत्मा को रंगना ही सच्ची होली है। जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने अपने उद्बोधन में जीवन के चार महत्वपूर्ण स्तंभों 4एम- मनी, मटेरियल, मीडिया और 'मैं' पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और उसके नकारात्मक पहलुओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तकनीकी युग में मानवीय संवेदनाओं को बचाए रखना बड़ी चुनौती है। मात्र 2 मिनट का मेडिटेशन आपकी 2 घंटे की कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है, जबकि 2 मिनट का गुस्सा उसे घटा देता है। ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने राजयोग के माध्यम से स्वयं को एकाग्र करने के सरल तरीके बताए और सभी को राजयोग ध्यान का गहन अभ्यास कराया। नई दुनिया के वारिज वाजपेई ने मधुर देवी गीत प्रस्तुत किया। पत्रकार अमित जैन ने कहा कि यह संस्था समाज के हर उस वर्ग तक पहुँचती है जहां कोई और नहीं पहुँच पाता। वरिष्ठ पत्रकार नीलेश जाट ने संस्थान से मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा की प्रशंसा की।

जालंधर में ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला आयोजित

40 फीट ऊंचा शिवलिंग देखने उमड़े श्रद्धालु, माइंड स्पा से की गहन शांति की अनुभूति

शिव आमंत्रण, जालंधर, पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के आदर्श नगर स्थित सेवाकेंद्र द्वारा सिद्ध शक्तिपीठ श्रीदेवी तालाब मंदिर परिसर में पांच दिवसीय भव्य 12 ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेले का आयोजन किया गया। मेले का मुख्य आकर्षण 40 फीट ऊँचा विशाल शिवलिंग रहा, जिसने श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित किया।

पांचों दिन मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को ज्योतिर्लिंग दर्शन के साथ-साथ आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से आत्मा, परमात्मा और राजयोग का गहन ज्ञान भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त प्रोजेक्टर शो के माध्यम से राजयोग का अर्थ और जीवन में उसकी उपयोगिता को सरल एवं रोचक शैली में समझाया गया।

श्रद्धालुओं के लिए स्पिरिचुअल वैल्यू गेम्स का भी विशेष प्रबंध किया गया था, जिनके माध्यम से उन्हें जाना कि हमारे अंदर बहुत से विकार छुप कर बैठे हैं और हमें इन्हें राजयोग के माध्यम से बहार निकालना है।

मेले में भक्तों के लिए सबसे दिलचस्प रहा 'माइंड स्पा' का स्टाल। यहां श्रद्धालुओं को तीन से चार मिनट की विशेष कमेंट्री के माध्यम से गहन शांति, परमात्म मिलन का सुख और सकारात्मक संकल्पों का अनुभव कराया गया। साथ ही, मेडिटेशन के लिए एक विशेष क्यूआर कोड भी उपलब्ध करवाया गया, जिसे स्कैन कर श्रद्धालु कहीं भी और कभी भी राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर सकते हैं।

उद्घाटन समारोह में पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री महिंदर भगत, श्रीदेवी तालाब मंदिर के महासचिव राजेश विज, शीतल विज, लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष दिनेश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जालंधर के मेयर विनीत धीर, पूर्व सीपीएस केडी भंडारी, दैनिक उत्तम हिन्दू के मुख्य संपादक इरविन खन्ना, श्री हिन्दू तख्त भारत के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुणाल अग्रवाल, लवली ग्रुप के चेयरमैन रमेश मित्तल, वाइस चेयरमैन नरेश मित्तल मौजूद रहे। बीके संदीरा दीदी, बीके लक्ष्मी दीदी, बीके विजय दीदी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मेले के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

जमशेदपुर, छग। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नगर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से राजयोगिनी बीके अंजू दीदी (कोल्हान क्षेत्र की प्रशासिका), बीके संजू बहन, बीके गंगोत्री बहन, बीके अलका बहन, बीके अरविन्द भाई एवं बीके अरुण भाई ने मुलाकात कर परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट किया।

मुंबई। मुंबई प्रवास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नेपियन सी रोड सेंटर की इंचार्ज बीके रुक्मिणी ने मुलाकात कर सम्मान किया। पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और परमात्मा का स्मृति चिंह प्रदान किया। साथ ही महानगर में की जा रहीं संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।

जगदलपुर, छग। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जगदलपुर प्रवास के दौरान सरकारी गेस्ट हाउस में ब्रह्माकुमारी किरण दीदी ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। बीके भावना दीदी ने शाल ओढ़ाकर व बीके महेश भाई ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। बीके तरूण जिन्दल भाई भी उपस्थित रहे। इस दौरान राष्ट्रपति को जिले में की जा रहीं सेवाओं के बारे में भी बताया।

शिव आमंत्रण, गामदेवी (मुंबई)। सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक और प्रेरक वक्ता जया किशोरी से गामदेवी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा दीदी ने स्नेह भरी मुलाकात की। उन्होंने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराते हुए परमपिता परमात्मा शिव बाबा का परिचय देकर स्लोगन की फ्रेम भेंट किया। साथ ही मुख्यालय माऊंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

भव्य हिंदू सम्मेलन : ब्रह्माकुमारीज़ ने लगाई आध्यात्मिक ज्ञान प्रदर्शनी

सकारात्मक चिंतन से जीवन में आती है शांति, सुख और संतुलन

शिव आमंत्रण, मुलुंद बेस्ट, मुंबई।

वड़गांव में आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज़ की सक्रिय एवं प्रेरणादायी सहभागिता रही। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चैतन्य वेदकर महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक जागरूकता पर अपने विचार व्यक्त किए।

ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने आत्मा की सच्ची पहचान, सकारात्मक कर्म तथा राजयोग ध्यान के महत्व पर बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक जागरूकता और सकारात्मक चिंतन से ही जीवन में शांति, सुख और संतुलन प्राप्त किया जा सकता है। आध्यात्मिक ज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें विश्व नाटक चक्र, कर्म सिद्धांत एवं परमात्मा परिचय को सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाया गया।

सार समाचार

कादमा (हरियाणा)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा आयोजित हिंदू सम्मेलन में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। गौ रक्षक कथावाचक बेला पारीक, जिला पार्षद अशोक थालौर, कैलाश चंद शास्त्री, पचगांव गुरुकुल की प्राचार्य डॉ. चंद्रकला आर्या, संघ प्रवक्ता डॉ सुदीप प्रोफेसर सेंट्रल यूनिवर्सिटी पाली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कोटा। सुप्रसिद्ध अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के कोटा आगमन पर ब्रह्माकुमारी आरती दीदी ने तिलक कर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। उन्हें परमपिता शिव परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट किया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन पर चर्चा करते हुए संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया।

दिल्ली, लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के लोधी रोड सेवाकेंद्र द्वारा सीबीआई कार्यालय में एसआई से एसपी स्तर के अधिकारियों के लिए मेडिटेशन और मोटिवेशनल कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मोटिवेशनल स्पीकर बीके पीयूष भाई और बीके दीपिका दीदी ने संबोधित करते हुए तनावमुक्ति और खुशनुमा जीवन के टिप्स बताए। साथ ही राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस मौके पर एसपी दीपेंद्र भट्टाचार्य सहित बड़ी संख्या में अधिकारीगण मौजूद रहे।

समस्तीपुर, बिहार। 90वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके रानी दीदी, जिला जज दशरथ मिश्र, टाटा एआईजी के क्लस्टर हेड पंकज कुमार, सुधा डेयरी के डिप्टी मैनेजर आशुतोष, प्रमुख व्यवसायी सतीश चांदना, बीके सविता बहन, कृष्ण भाई एवं ओम प्रकाश भाई।

मसलापटटी, महाकाल बारी, पश्चिम बंगाल। ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला पर 90वां शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। इस दौरान महात्मा मुकुंद महाप्रभु महाराज, बापन जी (सेक्रेटरी हाटखोला इउनिट), सजल जी (महाकाल धाम सेक्रेटरी), बीके डॉ. स्वपन, बीके टीनकु बहन, बीके समपा बहन सहित बड़ी संख्या में भाई बहन मौजूद रहे।

तीन दिवसीय वाह ज़िंदगी वाह शिविर आयोजित

ऐसे कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : केंद्रीय मंत्री उइके

शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ भाग्यविधाता भवन में त्रिदिवसीय वाह जिंदगी वाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके ने संस्था द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक जागरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य वक्ता प्रो. बीके गिरीश ने कहा कि जीवन को बदलने के लिए परिस्थितियां नहीं, दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। उन्होंने राजयोग ध्यान के माध्यम से आत्मबल, धैर्य और मानसिक शांति प्राप्त करने का संदेश दिया। सेवाकेंद्र निदेशिका बीके मंजू दीदी ने कहा कि वर्तमान समय में यदि व्यक्ति अपनी सोच को सकारात्मक और आध्यात्मिक बना ले, तो जीवन की हर परिस्थिति सहज और सुखद बन सकती है।

तीन दिवसीय इस आयोजन में राजयोग मेडिटेशन, जीवन प्रबंधन, तनाव मुक्ति एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में अधिवक्ता, शिक्षक, समाजसेवी, युवा एवं महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। सैकड़ों लोगों ने सहभागिता कर सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। समापन पर दिनेश चंद्र थपलियाल (प्रधान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश), शिव बालक साहू (प्रधान, कुटुंब न्यायालय न्यायाधीश), सुरेश यादव (प्रथम श्रेणी जिला न्यायाधीश), गोवर्धन पाठी (तहसीलदार), सुधाकर पवार (भाजपा जिला अध्यक्ष) मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, धुलिया, महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज के नेर सब सेंटर पर आयोजित अलौकिक सन्मान समारोह में मधुबन निवासी अक्षय भाई का विशेष रूप से सम्मान किया गया। साथ ही कोरोना वैक्सीन के संशोधक डॉ. बोरसे जिन्होंने 9000 कोरोना के मरीजों को कोरोना मुक्त किया था। आपसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बात कर हौसला भी बढ़ाया था। आपका भी सम्मान किया गया।

शिव आमंत्रण, झुमरी तिलैया, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ झुमरी तिलैया सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव पर शिव ध्वजारोहण किया गया। इसमें संचालिका बीके शीला दीदी ने सभी को शिव ध्वज के नीचे जीवन में सद्कर्म करने का संकल्प कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सेवानिवृति डीएसपी माधव राम भार्गव, गुरुद्वारा समिति के सचिव यशपाल सिंह, नगर पालिका के विनोद रवानी, समाजसेवी संजय अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राजकोट : त्रिदिवसीय महाशिवरात्रि मेला आयोजित, विधायक डॉक्टर दर्शिता शाह ने कहा-

तनावग्रस्त समाज को स्वस्थ कर रही है ब्रह्माकुमारीज़

शिव आमंत्रण, राजकोट, गुजरात।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा राजकोट गाउंड में त्रिदिवसीय महाशिवरात्रि मेला का भव्य आयोजन किया गया। शुभारंभ पर विधायक डॉक्टर दर्शिता शाह ने कहा कि मैं जब भी ब्रह्माकुमारीज के प्रोग्राम में आती हूं तो एक सप्ताह की थकान 10 मिनट में उतर जाती है। यहां संतोष मिलता है, वर्तमान तनावग्रस्त समाज को स्वस्थ करने का काम ये संस्था और विशेष बहनें कर रही हैं। संस्था को 90 साल की बहुत-बहुत बधाइयां। ब्रह्माकुमारीज सही रूप में भारत का विकास एवं समाज को मूल्यवान बनाने का काम कर रही है।

मेयर भगिनी नयना पेढाडिया ने कहा कि जीवन में से ईर्षा, अहंकार का त्याग कर कर्म को श्रेष्ठ बनाना यही ब्रह्माकुमारी संस्था का लक्ष्य है। सफेद वस्त्र में शक्ति, शांति है जो यह बहनें त्याग के बल से समाज को सही दिशा दे रही हैं। क्रोध के बदले क्षमा भाव, स्पर्धा के बदले सहयोग और अशांति में शांति का मार्ग दिखाती हैं तो यह ब्रह्माकुमारी संस्था ही है। मेले में मुख्य आकर्षण 90000 स्टोन से श्रृंगारित 19 फीट ऊंचा शिवलिंग, शिव - शंकर की चैतन्य झांकी के साथ जल अभिषेक, अवगुण अर्पण कुंड एवं दिव्य वरदानों की प्राप्ति, वैल्यू गेम जोन, जीवन मूल्य प्रदर्शनी एवं नशा मुक्ति स्टॉल, स्वर्णिम युग की चैतन्य झांकी रही। इस मौके पर राजयोगिनी भारती दीदी गुजरात जोन डायरेक्टर, बीके नलिनीबेन रविरत्न सेवाकेंद्र इंचार्ज, गुणवंत भाई डेलावाला सरगम क्लब सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, बगीचा, छत्तीसगढ़ | अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सेवाकेंद्र पर सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें डीडीसी आशिका कुजुर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीके भारती बहन, बीके गोमती बहन और बीके गायत्री बहन।

शिव आमंत्रण, नांदेड़, महाराष्ट्र | 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर ब्रह्माकुमारीज़ फरांदे पार्क में शिव ध्वजारोहण किया गया। साथ ही नि:शुल्क हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अनीता दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया। अष्टविनायक हॉस्पिटल के डॉ. साईबाबा अंकुशकर, बीके सत्यदीदी, डॉ. अंकुशकर व टीम मुख्य रुप से मौजूद रही।

शिव आमंत्रण, बड़हिया (बिहार) | साध्वी परमेश्वरी दीदी से ज्ञान चर्चा के पश्चात ईश्वरीय साहित्य प्रदान करती स्थानीय सेवाकेन्द्र इंचार्ज ब्रह्माकुमारी रोशनी बहन। साथ ही साध्वी जी को मुख्यालय माउण्ट आबू आने का दिया निमंत्रण।

शिव आमंत्रण, सिवानी मंडी, हरियाणा | 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें नगरपालिका चेयरपर्सन वंदना केडिया ने मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। महोत्सव में ब्रह्माकुमारी राजेंद्र दीदी और ब्रह्माकुमारी निर्मल दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए राजयोग ध्यान कराया। साथ ही शिव ध्वजारोहण किया गया।

शिव आमंत्रण, येवला, महाराष्ट्र | पोलैंड देश से आए विदेशी गेस्ट को सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीता दीदी ने परमात्मा का परिचय देते हुए राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। साथ ही मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

हिसार में महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजित

महोत्सव में 20 फीट के शिवलिंग के दर्शन, पूजन करने पहुंचे 30 हजार से अधिक श्रद्धालु

शिव आमंत्रण, हिसार, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज़ हिसार द्वारा 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के पावन उपलक्ष्य में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव “महादेव से महामिलन का महामेला” अत्यंत भव्य, दिव्य एवं ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। दो दिनों तक चले इस विराट आध्यात्मिक आयोजन में 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर इसे अविस्मरणीय बना दिया। प्रथम दिवस शिव ध्वज से शुभारंभ हुआ और 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। महोत्सव का शुभारंभ शिव ध्वज फहराकर किया गया। सभी ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने शिव ध्वज के नीचे खड़े होकर अपने जीवन को श्रेष्ठ, पवित्र एवं नैतिक बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

मेले का मुख्य आकर्षण रहा 20 फीट ऊँचा भव्य महाशिवलिंग पूरे आयोजन का केंद्र बिंदु बना रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ दर्शन किए और दिव्यता का अनुभव किया। इस दिन का विशेष आकर्षण रहा हॉट एयर बैलून, जिसने पूरे मेले की शोभा बढ़ा दी। हॉट एयर बैलून के माध्यम से ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने 20 फीट महाशिवलिंग पर पुष्प अर्पित किए। वर्चुअल रियलिटी शो ने भी विशेष लोकप्रियता प्राप्त की। इससे श्रद्धालुओं ने आत्मा एवं परमात्मा के आध्यात्मिक स्वरूप का गहन अनुभव किया। विशेष हवन-यज्ञ का आयोजन भी किया गया, जिसमें उपस्थित भाई-बहनों ने अपने जीवन की किसी न किसी बुराई की सच्ची आहुति देकर समाज को श्रेष्ठ एवं नैतिक बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। इस दौरान डॉ. बी.आर. कम्बोज (कुलपति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) डॉ. पवन कुमार (रजिस्ट्रार, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) सहित अन्य अतिथियों ने भाग लिया।

शिव आमंत्रण, अंब/हिमाचल प्रदेश। शिव जयंती महोत्सव पर शिव ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान बीके डॉ. किरण दीदी ने सभी को ध्यान की अभ्यास कराया, साथ ही शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए संकल्प कराया। बीके आशा दीदी, बीके रितु दीदी ने अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की। कार्यक्रम में अंब के प्रमुख पारस अग्रवाल, एसडीएम सहित बड़ी संख्या में भाई -बहन मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ योग भवन घाटकोपर सबजोन द्वारा 'नवदशकोत्सव' 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ पीस पार्क में किया गया। इसमें 24 फीट का विशाल शिवलिंग आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही होलोग्राफिक शो, ओम चैटिंग, महाआरती, शिव महिमा पर आधारित दिव्य नृत्य नाटिका एवं सुर संगम संगीत संध्या आयोजित की गई।

गाजीपुर, दिल्ली। 90वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर शिव झंडावंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सेंटर संचालिका सुधा दीदी ने सभी को महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए परमात्मा का सत्य परिचय दिया। इस मौके पर युवा मोर्चा अध्यक्ष पवन चौधरी, हाई कोर्ट के एडवोकेट विपिन गौतम सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, राजिंद्र नगर, बंतलाब, जम्मू। ब्रह्माकुमारीज़ के चरित्र निर्माण भवन में शिवजयंती के पावन अवसर पर भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बीके सुदर्शन दीदी ने कहा कि परमपिता शिव का ध्वज शांति, पवित्रता और शक्ति का प्रतीक है, जो उच्च मूल्यों की ओर प्रेरित करता है। बीके रवींद्र भाई, बीके कुसुम बहन ने भी संबोधित किया।

ग्वालियर : महाशिवरात्रि महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

आत्म-जागृति और परमात्मा से संबंध जोड़ने का पर्व है महाशिवरात्रि

शिव आमंत्रण, ग्वालियर, मप्र ।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन मेरिज गार्डन, जैन छात्रावास में किया गया। इसमें राजयोग ध्यान सत्र में लोगों को आत्म-अनुभूति एवं परमात्मा की दिव्य शक्तियों का अनुभव कराया गया। ध्यान सत्र का संचालन बीके आदर्श दीदी, बीके प्रहलाद व बीके डॉ. गुरचरण द्वारा किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महाशिवरात्रि आत्म-जागृति का पर्व है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर की आत्मिक शक्ति को पहचानकर परमात्मा से संबंध जोड़ता है। इस दौरान पूर्व क्षेत्र से विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, भाजपा प्रदेश कार्य समिति के आशीष प्रताप सिंह राठौड़, केंद्र प्रमुख बीके आदर्श दीदी, मुरार कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, आरोग्य भारती से डॉ. एसपी बत्रा, डॉ. आमोद गुप्ता, राम सविता, गोविंद सिंह, सुरेश बंसल, दिनेश जैन, पार्षद अनिल साँखला, स्वदेश के समूह संपादक अतुल तारे सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, पन्ना, मप्र | ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा 90वीं शिव जयंती महोत्सव के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह को प्रभारी बीके सीता बहन ने परमात्मा का स्मृति चिंह्न भेंट कर सम्मान किया।

शिव आमंत्रण, राजीव नगर, दिल्ली | क्षेत्र में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में अतिथि के रुप में ब्रह्माकुमारी पूर्णिमा दीदी को विशेष रुप से आमंत्रित और सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 360 गाँवों के प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र सोलंकी, कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रजीत, बीके तनूजा बहन और बीके नेहा बहन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, भरतपुर, राजस्थान | विश्व शांति भवन सेवाकेंद्र पर 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सिद्ध पीठ पीठाधिश्वर डॉ. कौशल किशोर दास महाराज, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, जिला प्रभारी बीके कविता दीदी, बीके बबीता दीदी, वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश सिंह, बीके जुगल किशोर, बीके प्रवीणा बहिन, बीके गीता बहिन मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण,अटलादरा वड़ोदरा| ब्रह्माकुमारीज़ अटलादरा में सुप्रसिद्ध प्राकृतिक भोजन एवं चिकित्सा विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. बीवी चौहान द्वारा कैंसर निदान सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ हॉटचंदानी, गायत्री शक्तिपीठ से पधारे गिरीश भाई, सेवाकेंद्र संचालिका बीके डॉ. अरुणा बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, मोकामा, बिहार | ब्रह्माकुमारीज़ के शिव शक्ति जगदम्बा भवन में शिव जयंती बड़े धूम-धाम से मनाई गई। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके निशा दीदी ने महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य बताया। इस मौके पर नगर परिषद के सभापति नीलेश कुमार माधव, स्टेशन प्रबन्धक हरिशंकर कुमार, ब्रांड एंबेसडर छितेन्द्र प्रसाद सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नैतिक मूल्यों का संचार कर रही है ब्रह्माकुमारीज़

शिव आमंत्रण, वाराणसी, उप्र।

ब्रह्माकुमारीज के ग्लोबल लाइट हाउस सारनाथ सेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज का कार्य विश्व स्तर पर अद्वितीय है। संस्था विश्व शांति, सद्भावना और आपसी एकता का संदेश देकर समाज में आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों का संचार कर रही है। महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज परिवार के बीच उपस्थित होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

वरिष्ठ भाजपा नेता रामप्रकाश दुबे ने कहा कि मानव उत्थान और नैतिक जागरण के लिए संस्था का योगदान अत्यंत सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल ने भी संस्था के सेवा एवं आध्यात्मिक कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. केपी जायसवाल, डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. योगेश्वर सिंह, जिला उद्यान अधिकारी बहन ममता यादव, रमेश सिंह, एनके उपाध्याय, महेश, हिमांचली, सुदामी माताजी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कुमारी नैना द्वारा प्रस्तुत शिव भजन से वातावरण आध्यात्ममय हो उठा और श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। तत्पश्चात मुख्य अतिथि सांसद सिंह व अन्य अतिथियों ने शिव ध्वजारोहण किया।

कार्यक्रम की सफलता में शाखा प्रभारी बीके राधिका दीदी, मोटिवेशनल ट्रेनर बीके तापोशी दीदी, बीके अनिता बहन, बीके मनिषा बहन, बीके प्रियंका बहन, बीके पूजा बहन, बीके राजू भाई, बीके अजीत भाई, बीके दिनेश भाई सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। प्रबंधन बीके विपिन भाई ने किया। अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

राजगढ़ : वृद्धजन को किया सम्मानित

शिव आमंत्रण, राजगढ़, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज के समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान संगमः गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें विधायक अमर सिंह यादव, डिप्टी कलेक्टर ज्योति बगबेया, ब्रह्माकुमारी मधु दीदी, पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ अर्पित गुप्ता, प्रोग्रेसिव पेंशन संगठन के जिला अध्यक्ष दिनेश नागर, समाजसेवी राजेंद्र जोशी काका ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसमें वृद्धजनों का सम्मान किया गया।

चंद्रिका दीदी वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

महादेवनगर, अहमदाबाद। ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग एवं कला संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा बीके चंद्रिका दीदी को वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस लंदन से नीफा के अध्यक्ष प्रितपाल सिंह पन्नू, महामंडलेश्वर हेमंतानंद पशुपति महाराज, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेनू बाला गुप्ता ने सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान युवा सशक्तिकरण, जन जागृति और कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में किए गए समाज सरोकारी एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया। इस मौके पर कला संस्कृति प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके प्रेम भाई, बीके पूनम बहन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डॉ. बिन्नी बहन गौरव अवार्ड से सम्मानित

माउंट आबू, राजस्थान। वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी पुणे द्वारा महिलाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने समर्पित जीवन गौरव राष्ट्रीय अवार्ड से माउंट आबू की डॉ. बिन्नी बहन को सम्मानित किया गया। यह अवार्ड संस्थापक डॉ. विश्व नाथ कराड की स्मृति में प्रदान किया जाता है।

सकारात्मक जीवन कार्यशाला आयोजित

सारणी, बैतूल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज द्वारा तीन दिवसीय सकारात्मक जीवन कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता मुंबई से पधारे प्रो. ई. वी. गिरीश ने परिस्थितियों में अपने मन को सकारात्मक दिशा में स्थिर रखने के टिप्स बताए। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता दीदी ने राजयोग सीखने आह्वान किया।

सुरक्षा सेवा प्रभाग : प्रशिक्षण में सौ से अधिक जवानों-अधिकारियों ने लिया भाग

जवानों ने सीखे स्व सशक्तिकरण के गुर

शिव आमंत्रण, महेसाणा, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा सेल्फ इम्पावरमेंट टू नेशन इम्पावरमेंट अभियान के अंतर्गत मेंटल हेल्थ एंड वेल बीइंग प्रोग्राम के गुजरात अभियान का शुभारंभ मेहसाणा के गोडली पैलेस में किया गया। इसमें मेहसाणा की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरला दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता में सत्यता है और सत्यता में बल है, जो भी सच्चे लोग हैं उन में निर्भयता होती है। आध्यात्मिकता में 'मैं कौन हूँ' इस सत्यता को जानना है।

अहमदाबाद के आरपीएफ के एएससी संजय चौधरी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज से हमें यह सब बातें सीख कर जाना है जो हमारे जीवन में भविष्य में काम आ सके। सीआईएसएफ के डीसी प्रेम एमजे ने कहा कि आज बताई गई बातों के अनुसार हमेशा सकारात्मक चिंतन अपना कर फर्ज अदा करेंगे तो तनाव मुक्त रह सकेंगे। बीएसएफ के डीसी अरुण शर्मा ने कहा कि आज जरूरत है हमारी सोच को सकारात्मक एवं नियंत्रित रखने की। कर्नल बीसी सती, बीके कमल भाई ने सेल्फ इम्पावरमेंट विषय पर संबोधित किया। बीके दीपा बहन ने राजयोग का अभ्यास कराया।

दिव्य गुणों की खान है नारी : बीके निर्मला दीदी

शिव आमंत्रण, रांची, झारखंड।

ब्रह्माकुमारीज के चौधरी बागान, हरमू रोड सेवाकेंद्र पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने कहा कि नारी शक्ति का अवतार है। नारी दिव्य गुणों की खान है। हमारी संस्कृति में नौ देवियों की महिमा गाई गई है। इस मौके पर एन नंदा सोशल सर्वर, अर्जुन यादव पूर्व पार्षद , सुनील यादव पार्षद वार्ड नंबर 20, मुकेश तनेजा गवर्नर रोटरी क्लब, भावना तनेजा मैनेजमेंट प्रोफेसर, संगीता यादव पार्षद वार्ड नंबर 10, डॉ. सुचिता रानी पार्षद वार्ड नंबर 40, श्रद्धा बागला पूर्व प्रेसिडेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट इंस्टीट्यूट, बनानी नंदा हेड एचआरडी रांची एयरपोर्ट और रवीना सीमा मिंज डिप्टी मैनेजर यूनियन बैंक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य महिलाएं मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-
वार्षिक मूल्य 210 रुपए तीन वर्ष 630 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता
प्रधान संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8740060231, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer
A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960
Scan To Pay

विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस

परिवार के सदस्य आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाएं तो हर घर स्वतः ही मंदिर बन सकता है: बीके नंदा दीदी

शिव आमंत्रण, हरपालपुर/छतरपुर।

ब्रह्माकुमारीज़ दिव्य धाम सेवाकेंद्र पर विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस पर घर बने मंदिर विषय पर प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी नंदा दीदी ने कहा कि यदि परिवार के सदस्य अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, शुद्ध विचार, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाएं तो हर घर स्वतः ही मंदिर बन सकता है। घर में प्रेम, शांति और सहनशीलता का वातावरण ही सच्ची नागरिक सुरक्षा की नींव है।

मुख्य अतिथि राघव दास महाराज ने कहा कि घर को मंदिर बनाने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान की परम आवश्यकता है। जब परिवार में ईश्वर स्मृति और सत्संग का वातावरण होता है, तब कलह समाप्त होकर सुख-शांति का वास होता है। कुमारी तनु ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अंत में ध्वजारोहण किया गया तथा भोलेनाथ जी की आरती कर सभी को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

संस्कारी महिला ही श्रेष्ठ परिवार एवं समाज का आधार है: बीके रमा दीदी

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र। विश्वनाथ कॉलोनी सेवाकेंद्र द्वारा पेप्टिक टाउन स्थित मेडिटेशन सेंटर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संस्कारी महिला- श्रेष्ठ परिवार एवं समाज का आधार विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही होली मिलन समारोह मनाया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रमा दीदी ने कहा कि आज के संसार में सबकुछ है। कोई चीज की कमी नहीं है। फिर भी जीवन में खुशी, शांति खत्म होती जा रही है। इसका मूल कारण है संस्कारों एवं शुद्ध संकल्पों की कमीं। संस्कारी महिला ही श्रेष्ठ परिवार एवं समाज का आधार है, इसलिए हमें अपने जीवन और परिवार को श्रेष्ठ बनाने के लिए दैवीय संस्कार एवं परमात्म प्रेम जागृत करने की आवश्यकता है। परमात्मा ही हमारे आंतरिक संस्कारों को जो हमारे भीतर पहले से ही मौजूद हैं उन्हें जागृत कर सकते हैं। बीके रीना दीदी ने कहा कि गुण और विशेषताएं तो सभी के अंदर हैं लेकिन आज मैं चाहूंगी कि आप सभी अपनी-अपनी एक-एक विशेषताएं बताएं। बीके रेखा बहन, बीके नम्रता बहन और नेहा चतुर्वेदी ने सभी मातृशक्तियों का सम्मान किया।

'शिवलिंग परमात्मा शिव के ज्योति रूप को दर्शाता है'

शिव आमंत्रण, बेगमगंज, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने कहा कि महाशिवरात्रि के साथ जुड़े हुए आध्यात्मिक महत्व को समझने का ये सबसे अच्छा अवसर है। शिवलिंग परमात्मा शिव के ज्योति रूप को दर्शाता है। परमात्मा का कोई मनुष्य रूप नहीं है और ना ही उनके पास कोई शारीरिक आकार है। भगवान शिव एक सूक्ष्म, पवित्र व स्वदीप्तिमान दिव्य ज्योति पुंज हैं। इसीलिए उन्हें ज्योर्तिलिंग के रूप में दिखाया गया है, अर्थात 'ज्योति का प्रतीक'। वो सत्य है, कल्याणकारी हैं और सबसे सुंदर परमआत्मा है, तभी उन्हें सत्यम-शिवम्-सुंदरम कहा जाता है। वो सत-चित-आनंद स्वरूप भी हैं। शिव ध्वजारोहण कर सभी को परमात्मा शिव की प्रतिज्ञा कराकर भगवान की श्रीमत पर चलने का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष संदीप लोधी, वरिष्ठ समाजसेवी संतोष कंडिया, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अजय जाट, प्रवीण जैन पार्षद, गुलाब रजक पार्षद, शरद जैन महर्षि कान्वेंट स्कूल संचालक, एलबीएस स्कूल संचालक राजेश भार्गव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सर्वधर्म सम्मेलन : एक मंच पर आए संत, आचार्य और धर्मगुरु

शिव आमंत्रण, हरिनगर, दिल्ली।

ब्रह्माकुमारीज़ के हरिनगर सेवाकेंद्र पर विश्व बंधुत्व का आधार विश्वास एवं एकता विषय पर सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें एक मंच पर संत, आचार्य और धर्मगुरु आए। इस मौके पर निदेशिका राजयोगिनी डॉ. बीके शुक्ला ने उपरोक्त विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि जब सभी धर्म एक मंच पर आकर मानवता की बात करते हैं, तभी सच्चे अर्थों में विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी विश्वास और एकता के बल पर ही विश्व शांति संभव है। इस मौके पर जनकपुरी गुरुद्वारा के ग्रंथी ज्ञानी जितेन्दर सिंह, आचार्य विवेक मुनी, महामंडलेश्वर हरि ओम महाराज, गुरुद्वारा बाला साहिब के हेड ग्रंथी सरदार सुखविंदर सिंह, मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके सुशांत भाई, बीके अनसुईया दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी से आपसी विश्वास बढ़ाने और एकता पर जोर दिया। बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन, आबू रोड

माफ करना और माफी मांगना

आबूरोड। देश में हाल ही में एक दृश्य चर्चा का विषय बना, जिसमें सुप्रीम कोर्ट से इच्छा मृत्यु पाने वाले हरीश राणा को अंतिम विदाई देते हुए ब्रह्माकुमारी लवली दीदी के कहे शब्द सोशल मीडिया में वायरल हो गए। जिसमें वह कह रहीं हैं कि **सबको माफ करते हुए, सबसे माफी मांगते हुए, अब जाओ, ठीक है**। वास्तव में माफ करना और माफी मांगना... यह सिर्फ शब्द नहीं बल्कि जीवन को सुख-शांति, आनंदमय और हल्का बनाने के लिए अमृत वचन हैं। इस अमृत वाक्य को जीवन का सूत्र बना लेने से हम कई तरह के व्यर्थ के झंझावतों से बच जाते हैं और ऊर्जा संचित होने लगती है। माफ करना दूसरों पर उपकार नहीं, बल्कि अपने ऊपर कृपा करना है। माफ करना तो आत्मा का संस्कार है।

मन का बोझ करता है हल्का-

जब हम किसी की गलतियों, दुखदाई कर्मों, कड़वे अनुभवों को भुलाकर उसे माफ कर देते हैं या हमारे द्वारा जाने- अनजाने में हुई गलती के लिए माफी मांग लेते हैं तो मन से बोझ उतर जाता है। मन हल्का हो जाता है। जीवन में सुकून आ जाता है। क्योंकि मन में व्यर्थ, नकारात्मक, दुर्भावना, ईर्ष्या, नफरत, ग्लानि के विचारों को लेकर चलना, गंदगी को ढोते रहने के समान है। जब मन हल्का होता है तो जीवन भी आसान, सहज और सरल बन जाता है। जितना मन हल्का होगा, जीवन की गुणवत्ता उतनी ऊंच होगी।

तनाव और नकारात्मक सोच करता है कम-

किसी को माफ करने या माफी मांगने से संबंधित व्यक्ति के प्रति चलने वाले विचार समाप्त हो जाते हैं। नकारात्मक सोच खत्म होने से मन में सकारात्मक विचारों का प्रवाह बन जाता है। मन शक्तिशाली बनता है। इससे व्यर्थ के तनाव में जाया होने वाली ऊर्चा संचित होने लगती है। हम वर्तमान का आनंद ले पाते हैं। क्योंकि किसी भी तरह का दुख, दर्द सबसे पहले वर्तमान के आनंद से दूर कर देता है।

संबंधों में आती है मधुरता और आत्मीयता-

गलतियां होना स्वाभाविक है। माफ करने से सामने वाले के प्रति हमारे लिए आदर भाव बढ़ जाता है। वह हमें ऊंच दृष्टि से देखता है। वहीं माफी मांगने से संबंधों में आई कटुता समाप्त हो जाती है। आपसी संबंध मधुर, स्नेहमय, प्रेममय बन जाते हैं। इससे आपसी भाईचारे का माहौल बनता है। गिले-शिकवे दूर होने से संबंध फिर से पुनर्जीवित हो उठते हैं। उनमें उमंग-उत्साह भर जाता है। जीवन में मधुर संबंध होना किसी पूंजी से कम नहीं हैं।

आत्मशक्ति बढ़ाता है, आत्मा मूल स्वरूप आती है-

जब हम किसी को माफ करते हैं या माफी मांगते हैं तो सबसे पहले हमारी आत्म शक्ति बढ़ती है। दया भाव जागृत होता है। आत्मा की सोईं हुईं शक्तियां जागृत होने लगती हैं, क्योंकि प्रत्येक मनुष्य आत्मा मूल रूप में सुख, शांति, प्रेम, ज्ञान, पवित्रता, शक्ति और आनंद स्वरूप है। जहां आनंद है, प्रेम है, सुख-शांति है, वहां कटुता, बैर-भाव नहीं रह सकता है।

माफी मांगना शक्ति की निशानी है-

अक्सर लोग सोचते हैं कि मैं क्यों माफी मांगू? गलती तो सामने वाले की थी। वास्तव में माफी मांगना अहंकार को त्यागने का अभ्यास है। इससे हमारा अहंकार दूर होता है, जीवन में विनम्रता आती है। जहां अहंकार समाप्त हो जाता है, वहां संबंध सुरक्षित हो जाते हैं। माफ करने में सबसे बड़ी बाधा ही अहंकार है। इससे हम स्व की कर्मेंद्रियों पर विजय पाने की ओर बढ़ने लगते हैं। ऊर्जा का संचय होने से आध्यात्मिक पुरुषार्थ तीव्र होने लगता है। परमात्मा की समीपता का अनुभव होने लगता है।

माफ करना अर्थात् स्वतंत्र होना

जब हम किसी से नाराज़ रहते हैं, तो हम मानसिक रूप से उसी से बंधे रहते हैं। माफ करते ही मुक्त हो जाते हैं। माफी आत्मा को उड़ने के लिए हल्का बनाती है। यदि हम रोज रात को सोने से पहले यह संकल्प करें- आज मैंने किसी को दुख दिया हो तो मैं माफी मांगता हूं और जिसने मुझे दुख दिया उसे मैं दिल से माफ करता हूँ.... तो धीरे-धीरे जीवन हल्का, खुशहाल और शांतिपूर्ण बन जाएगा। माफ करना ही महानता है और माफी मांगना ही आध्यात्मिक परिपक्वता की निशानी है।

जीवन प्रबंधन

बीके शिवानी दीदी

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

अगर हम सभी को आत्मा समझकर बात करेंगे तो बैरियर सारे निकल जाएंगे, ईगो निकल जाएगा

अपनी सोच बदलते ही सबकुछ बदल जाता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

राजयोग के अंदर हम सबसे पहले यही सीखते हैं। केवल सुनना नहीं लेकिन आज सारा दिन जब हम लोगों से मिलेंगे, उनसे बात करते करेंगे, यहां तक कि खुद से भी बात करेंगे, तो कौन हूं मैं? प्योर एनर्जी पीसफुल सोल हूं जिसको हिंदी में आत्मा कहते हैं। आप सभी ने यह आत्मा शब्द कहीं ना कहीं पहले जरूर सुना होगा किसी प्रवचन में, पूजा पाठ करते हुए या किसी भूत की मूवी में यह सुना होगा लेकिन आज हम जब लोगों से मिलते हैं या जब खुद से बात करते हैं तो कितना याद रहता कि मैं आत्मा हूं? याद रहता है? नहीं इसका मतलब धर्म अलग प्रैक्टिकल लाइफ अलग। वहां गए मैं एक आत्मा हूं और यहां आए तो मैं एक चेयरमैन हूं। नहीं यहां पर आए तो भी कौन हूं मैं? मैं एक शांत स्वरुप आत्मा हूं जो कि चेयरमैन का रोल अदा कर रही हूं। क्या इससे कुछ अंतर होगा? हां होगा, जब आप अपने ऑफिस में जाते हैं इस सोच के साथ कि मैं चेयरमैन हूं तो ऑटोमेटिकली दूसरों को क्या वाइब्रेशन मिलने वाला है? कि ये ऊंचे हैं और हम इनसे नीचे हैं चाहे हम उनसे बहुत प्यार से बात करते हैं बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं तो भी उनके मन में क्या जाएगा कि यह हम से ऊपर हैं। आप सारा दिन देखो हम या तो किसी से ऊंचे हैं या तो किसी से नीचे हैं। दोनों ही सच नहीं है, ठीक नहीं है क्योंकि हम सब बराबर हैं मैं पति हूं गुस्सा कर सकता हूं लेकिन जब मैं एक शांत स्वरुप आत्मा हूं पति का रोल अदा कर रहा हूं दोनों में कोई फर्क आएगा? यह सामने वाली भी शुद्ध आत्मा है जो कि मेरी पत्नी का रोल अदा कर रही है यह बच्चे भी आत्मा है। कोई फर्क पड़ेगा? हां सब कुछ बदल जाएगा जब हम अपनी सोच में बदलाव लाते हैं कि मैं कौन हूं? इसलिए हमारे विद्वानों ने भी कहा है कि जब इस पहेली का उत्तर मिल जाएगा कि मैं कौन हूं तो सब कुछ बदल जाएगा, अच्छा हो जाएगा लेकिन मैं कौन हूं यह सिर्फ स्टडी करने कि टाइम ही नहीं याद रखना बल्कि सारा दिन याद रखना है क्योंकि मैं एक्टर हूं और यह रोल अदा कर रहा हूं।

प्रत्येक आत्मा एक्टर है जिसका अपना रोल है

अमिताभ बच्चन एक एक्टर हैं कितने रोल उन्होंने अदा किए हैं, हर बार जब वह एक रोल अदा करते हैं तो हम क्या कहते हैं कि हां यही वो एक्टर हैं जो यह रोल अदा कर सकते थे अगर वही रोल कोई दूसरा अदा करे तो सेम होता? नहीं, क्योंकि हर एक एक्टर की अपनी पर्सनैलिटी है लेकिन अगर अमिताभ बच्चन ही भूल जाए कि वह एक एक्टर है तो उसका रोल कैसा हो जाएगा साधारण क्योंकि उनको याद ही नहीं कि वह अमिताभ बच्चन हैं। हम सब एक्टर हैं और एमडी वॉचमैन चेयरमैन का रोल अदा कर रहे हैं लेकिन रोल अदा करते हुए भूल गए हैं कि मैं शुद्ध आत्मा हूं जो यह रोल निभा रही हूं। जिस समय हमें यह याद आता है कि मैं शुद्ध पवित्र शक्तिशाली आत्मा हूं तो हमारा हर रोल कैसा हो जाएगा? मेरी पर्सनैलिटी प्योरिटी और पीस की हर रोल में आ जाएगी क्योंकि मैं जानता हूं कि मैं कौन हूं! यही अभ्यास समय समय पर सारा दिन करना है।

कोई भी आदत संस्कार का रूप ले लेती है

मन में दो तरीके तरह के विचार आते हैं यह करूं या ऐसे करूं। मान लीजिए कोई आपको पहली बार सिगरेट ऑफर करता है तो मन में विचार चलेंगे सिगरेट ले लूं या नहीं लूं। तो मैं आत्मा दोनों विचारों की तुलना करता हूं और फैसला करता हूं। यह फैसला करने वाली है बुद्धि, जिसको विवेक भी कहा जाता है। मान लीजिए बुद्धि ने कहा कोई बात नहीं एक बार पी लो और हम वह पी लेते हैं। आगे 6 महीने के बाद फिर किसी ने ऑफर किया एक बार ले लो कुछ नहीं होगा दोबारा फिर सोचेंगे लूं या नहीं लूं बुद्धि ने कहा कुछ नहीं होता लास्ट टाइम भी तो लिया था कुछ हुआ ले लो तो द्वारा वो फिर कर्म में आ जाता है। ऐसे करते आठ दस बार जब हम उसको कर्म में लाते हैं यह हमारी आदत बन जाती है जिसको हम कहते हैं संस्कार। तो क्या ये संस्कार फिजिकल रूप में है? मन फिजिकल रूप में है? बुद्धि फिजिकल रूप में है? तीनों क्या है यही वह एनर्जी है आत्मा।

सभी के अलग-अलग संस्कार होते हैं...

हम कहेंगे बहुत पुण्य संस्कारों वाली आत्मा है यह नहीं कहेंगे कि बहुत पुण्य संस्कार वाला शरीर है। हर एक आत्मा में 5 तरह के संस्कार होते हैं यह जानना बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि तभी हम खुद को और दूसरों को जान सकेंगे। पहली तरह के संस्कार हम अपने माता पिता से लेते हैं यानी कि हमारी फैमिली से हमें मिलते हैं। इसीलिए कहते हैं कि इनके माता-पिता ऐसे हैं यह भी ऐसे हैं। कुछ संस्कार हम अपने एनवायरमेंट से लेते हैं जैसे कि अगर आप बेंगलुरु में रहते हैं आप में अलग तरह के संस्कार होंगे जब आप दिल्ली जाएंगे आपको दूसरे तरह के संस्कार देखने को मिलेंगे जब आप मुंबई होंगे तो आपको दूसरे संस्कार देखने को मिलेंगे। किस कारण से एनवायरमेंट, कल्चर और कास्ट के अलग होने के कारण तीसरी तरीके के संस्कार हैं जो मैं आत्मा अपने पिछले जन्म से लेकर आई हूं। याद रखिए एक महत्वपूर्ण बात के जब आत्मा एक शरीर में है जो भी हम कर्म करते हैं वह इस आत्मा में रिकॉर्ड होते जाते हैं। जब आत्मा यह शरीर छोड़ती है और अगले शरीर में जाती है तो वह संस्कार भी साथ में चले जाते हैं। इसलिए जब आपके घर में दो बच्चे हैं एक ही माता पिता ने जन्म दिया है, एक ही तरह का एनवायरमेंट है, एक ही तरह की पालना है, फिर भी दोनों की नेचर अलग अलग होगी।

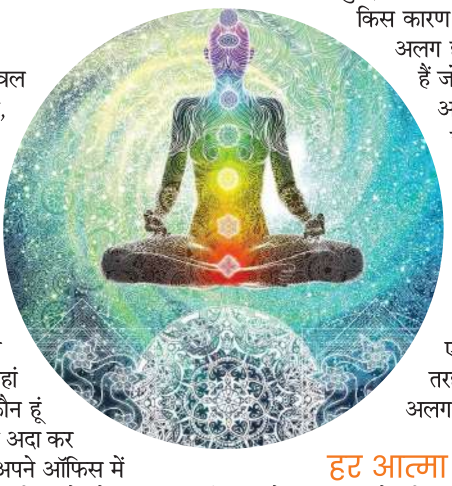

हर आत्मा की रिकार्डिंग अलग है

कई बार तो जुड़वा बच्चे भी सब कुछ एक तरह का है शक्ल लेकिन पर्सनैलिटी अलग-अलग है और मात-पिता बोलते हैं कि इन दोनों को सब कुछ एक जैसा दिया है फिर दोनों अलग अलग क्यों हैं क्योंकि कुछ साल पहले दोनों अलग-अलग जगह पर थे अलग-अलग कर्म कर रहे थे उनके अलग-अलग संस्कार थे दोनों को एक जैसा समझने की गलती मत कीजिए हो सकता है एक बहुत शर्मीला हो संस्कारी हो, कम बोलता हो और दूसरा बहुत ऊंचा बोलता हो, बहुत हंसी मजाक करने वाला हो, शर्माता ना हो। हम हरेक समय क्या करते रहेंगे तुम उसके जैसा बनो, तुम उसके जैसा बनो तुम्हारा भाई देखो कैसा है? तुम्हारी बहन देखो कैसी है? हम क्या कर रहे हैं यह। दोनों की अलग-अलग रिकॉर्डिंग है, अगर हम दोनों को मिक्स करने की कोशिश करेंगे तो हम आत्मा की पर्सनैलिटी को डैमेज कर देंगे।

मन एक ऊर्जा है जिसे देखी नहीं जा सकती है

अब हम जानेंगे कि आत्मा सारा दिन क्या करती है? हमारे ब्रेन के बिल्कुल बीचो-बीच में आत्मा की सीट है, जब हम मेडिटेशन करते हैं तो आत्मा को मस्तिष्क के बीच में देखते हैं क्योंकि ब्रेन के बीच में हम नहीं देख सकते। अब यह आत्मा सारा दिन क्या करती है? कैसे हम जान सकते हैं कि आत्मा है या नहीं? जब हम कुछ सोचते हैं, कुछ भावनाएं आती है, इच्छा करते हैं, यह सोचना इच्छा करना भावनाएं उत्पन्न करना यह है मन। क्या हम सबके पास मन है? किसी ने कभी देखा है उसको? किसी डॉक्टर के पास जाएंगे तो डॉक्टर ब्रेन दिखा सकता है अगर आप डॉक्टर को पूछेंगे कि इस शरीर में मन कहां है तो क्या आपको वह यह दिखाएगा? नहीं। क्योंकि ब्रेन बॉडी का एक पार्ट है, भौतिक रुप में है जो दिख सकता है। मन एक ऊर्जा है जो कि देखी नहीं जा सकती, फील की जा सकती है। एक बच्चे को भी पता है कि मन है।

समस्या- समाधान

- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

परमात्मा से मिलन तर्कों का विषय नहीं, एक अनुभूति है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान। बहुत महिमा है उस परमात्मा की जो वह ज्ञान का सागर है, प्रेम का सागर है, शांति का सागर है, महिमा तब ही होती है, जब कोई बहुत बड़ा-बड़ा काम करता है। कोई बहुत बड़ा आदमी है संसार में लेकिन वह अपने घर में है कुछ नहीं करता बहुत पढ़ा लिखा होकर भी कुछ करता नहीं है कोई उसकी महिमा गाएगा क्या। कोई जानेगा भी नहीं। कोई कुछ बड़ा अच्छा करता है गायन उसका ही होता है। उस परमात्मा ने बहुत सुख दिया है इसलिए उसको सुखदाता कहते हैं तो हमें उससे जुड़ जाना है उसके मिलन की सुखद अनुभूतियां करनी है। परमात्मा से मिलन मनाया जा सकता है। रोज सवेरे उठकर परमात्मा से मिलन बनाया जा सकता है और अगर कोई बहुत अच्छा योग अभ्यास कर ले तो जब चाहे मिलन मनाया जा सकता है। सारे दिन में 100 बार भी मना सकते हैं और उस मिलन की अनुभूति आपको यकीन दिलाएगी कि सच में परमात्मा से मिलन हो गया। जैसे मीठा कुछ खाने से हमें सोचना नहीं पड़ता कि मीठा था क्या उसकी मिठास स्वतः ही बताती है कि मीठा खाया है। भगवान से मिलन..... यह तर्कों का विषय नहीं यह अनुभूतियों का विषय है। तो इस मिलन की ओर हम चलेंगे पहले इनर जर्नी सभी अपने अंदर जाकर देखेंगे कि मैंने अपना इनर वर्ल्ड कैसा बनाया है।

अपने अंदर के संसार को देखना है

एक यह बाहर का संसार है एक अंदर का अपना संसार है वह अंदर का संसार मेरा कैसा है उसमें मैंने सबके लिए प्रेम भरा है? सदभावनाएं भरी हैं? या नफरत भरी है बदले की भावना भरी है? या सुख देने की भावना भरी है, ईर्ष्या द्वेष भरा है या आगे बढ़ाने की भावना भरी है। हमारा अंदरूनी संसार कैसा है अंदर क्रोध की अग्नि जल रही है या शांति की शीतल छाया है सब चेक करेंगे।

समस्या कमजोर मन की रचना है

हम जानते हैं आत्मा में 7 गुण होते हैं सुख शांति आनंद प्रेम शक्ति पवित्रता ज्ञान हमें उन को स्वीकार करना है मैं आत्मा शांत स्वरूप हूं, शांति मेरा नेचर है स्वीकार करें अपने अंदर भेज दे यह सच है मेरा मूल गुण शांति है क्रोध नहीं ऐसे ही दूसरे सभी गुणों को भी स्वीकार करेंगे। हम याद रखें हमारे हर एक संकल्प से एनर्जी क्रिएट होती है अगर हम नेगेटिव संकल्प क्रिएट कर रहे हैं तो नेगेटिव एनर्जी क्रिएट हो रही है जो हमारे ब्रेन में पहुंच रही है बॉडी पर इफेक्ट कर रही है चारों ओर का वातावरण वैसा बन रहा है। जितने सुंदर संकल्प हमारे मन में चलेंगे इतनी पावरफुल एनर्जी क्रिएट होगी जो अनेक समस्याओं को समाप्त करेगी। समस्याएं और कुछ नहीं कमजोर मन की रचना है।

...तो हमारी सोई हुई शक्तियां जागृत हो जाएंगी

हमें परमात्मा से कनेक्शन जोड़कर शक्तियां लेनी है उससे कुछ मांगना नहीं है कि भगवान हमें शांति दो यह दो वह दो। वह कह रहा अपने को इतना योग्य बनाओ कि तुम दूसरों की समस्या भी हल कर सको। वो परमात्मा हमारा लेवल ऊंचा उठा रहा है अब इस समय। उससे मांगने की जरूरत नहीं सोचो टाइगर का बच्चा क्या होगा? टाइगर ही होगा न। टाइगर का बच्चा अपने फादर को कहेगा कि मुझे थोड़ी ताकत दे दो। तो हमें भी भगवान से कुछ मांगना नहीं वह कहता है याद करो तुम सर्वशक्तिमान की संतान मास्टर सर्वशक्तिमान हो। तो ऐसी याद से सोई हुए शक्तियां जागृत हो जाएंगी।

मैं सर्वशक्तिमान की सन्तान हूं...

रोज सवेरे उठकर अपने को विचार दें कि मैं सर्वशक्तिमान की सन्तान मास्टर सर्वशक्तिमान हूं। इसे हम स्वीकार कर लें सवेरे उठते ही 108 बार लिखना है इसे। इससे हमारी सोई हुई शक्तियां जागृत हो जाएंगी। आत्मा में फिर से बल भर जाएगा। आत्मा भरपूर हो जाएगी। जीवन में आने वाली समस्याएं और परिस्थितियों में हम स्थिर रहेंगे। जितना स्वमानों का अभ्यास बढ़ाते जाएंगे विदेही और उपराम अवस्था बनती जाएगी। बाबा के समीप पहुंचते जाएंगे।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 March. 2026

» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » प्रधान संपादकः बीके कोमल » संपादकः बीके पुष्पेन्द्र